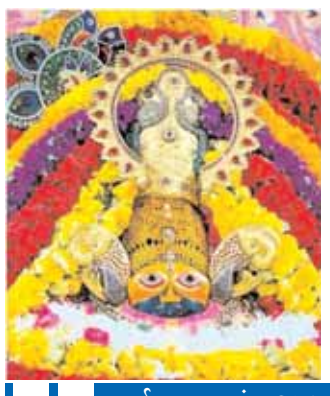

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:326। पेज:08। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 17 जुलाई 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

प्रधानमंत्री का आज हरियाणा दौरा

• 12,470 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

•राजनीतिक दृष्टि से भी इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा में 17वें दौरे पर आ रहे हैं। मोदी के इस दौरे से हरियाणा के दस जिलों को विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। प्रधानमंत्री 12,470 करोड़ से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग, स्वास्थ्य, रेलवे और सांस्कृतिक परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से लेकर आधुनिक रेलवे स्टेशन, मेडिकल कॉलेज, एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेसवे और सिख विरासत केंद्र तक कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं इस दौरे को खास बना रही हैं। राजनीतिक दृष्टि से भी इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा, उनका सीधा असर सोनीपत, अंबाला, कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्रों तक पहुंचेगा। वहीं जींद, सोनीपत, अंबाला, झज्जर, पंचकूला, कुरुक्षेत्र, हिसार, हांसी, भिवानी और महेंद्रगढ़ जिले सीधे जुड़ेंगे।प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तैयार 11 आधुनिक रेलवे स्टेशनों

को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें हरियाणा के नरवाना और कालका, पंजाब के साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) और आनंदपुर साहिब तथा हिमाचल प्रदेश के अंब अंदौरा स्टेशन शामिल हैं। आधुनिक प्रतीक्षालय, लिफ्ट, रैंप, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, पार्किंग और उन्नत यात्री सुविधाओं से लैस ये स्टेशन यात्रियों को नया अनुभव देंगे। इसी कड़ी में करीब 447 करोड़ रुपये की लागत से तैयार कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। 5.9 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक से शहर के पांच बड़े रेलवे फाटकों पर लगने वाले जाम से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री जींद से वर्चुअल माध्यम से नारनौल के महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज और भिवानी मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करेंगे। सड़क क्षेत्र में काला अंब ग्रीन फील्ड फोरलेन कॉरिडोर, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, जींद-गोहाना राष्ट्रीय राजमार्ग, हांसी-बरवाला फोरलेन परियोजना तथा बीकानेर-सिवानी-सोनीपत सड़क परियोजना को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने, यात्रा समय घटने और माल परिवहन आसान होने की उम्मीद है। कुरुक्षेत्र के उमरी गांव में करीब 124 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्रदेश के पहले सिख संग्रहालय एवं विरासत केंद्र की आधारशिला भी प्रधानमंत्री रखेंगे। सिख गुरुओं के हरियाणा से जुड़े ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करने वाली यह परियोजना धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के लिए नया आकर्षण बनेगी।

टीएमसी को एक और बड़ा झटका

राज्यसभा सदस्य कोयल मलिक ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

कोलकाता।कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस को गुरुवार को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्यसभा सदस्य और लोकप्रिय बंगाली अभिनेत्री रुक्मिणी मलिक (कोयल मलिक) ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कोयल मलिक ने 6 अप्रैल 2026 को पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए नामित किया था, हालांकि अब उनके अचानक इस्तीफे को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के लिए एक बड़े राजनीतिक झटके के रूप में देखा जा रहा है। राजनीति में आने से पहले कोयल मलिक बंगाली फिल्म उद्योग का एक बेहद चर्चित और लोकप्रिय चेहरा रही हैं। उन्हें टॉलीवुड की 'टॉली-क्वीन' भी कहा जाता है। पिछले दो दशकों से वह बंगाली सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2003 में सुपरहिट फिल्म 'नेटर गुरु' से की थी। इसके बाद 'बंधन' (2004), 'शुभदृष्टि' (2005), 'पागलू' (2011), 'हेमलॉक सोसाइटी' (2012) और 'मितिन माशी' थ्रिलर सीरीज (2019) जैसी कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई।

गुजरात के कच्छ में कुछ ही मिनटों के अंतराल पर भूकंप के तीन झटके

दहशत में आए लोग

एजेंसी

गांधीनगर । गुजरात के कच्छ जिले में गुरुवार दोपहर कुछ ही मिनटों के अंतराल पर भूकंप के तीन झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 और 3.2 दर्ज की गई। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर), गांधीनगर के अनुसार पहला झटका दोपहर 2:20 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.6 थी। इसका केंद्र कच्छ के खावड़ा से 32 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पूर्व में स्थित था। भूकंप की गहराई 22.6 किलोमीटर दर्ज की गई। इसके करीब तीन मिनट बाद 2:23 बजे दूसरा झटका आया, जिसकी तीव्रता 3.2 मापी गई। इसका केंद्र धोलावीरा से 32 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में था और इसकी गहराई 12.9 किलोमीटर रही। इसी स्थान पर एक और हल्का भूकंपीय कंपन भी दर्ज किया गया।लगातार आए इन झटकों से आसपास के इलाकों में लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, अब तक किसी प्रकार के नुकसान या हताहत होने की सूचना सामने नहीं आई है।

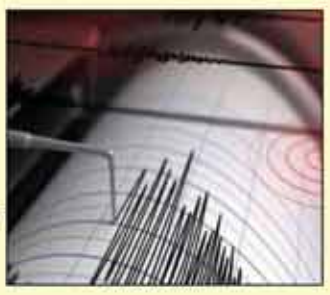

जंजीबार के राष्ट्रपति हुसैन अली म्विनी शुक्रवार से भारत दौरे पर

नई दिल्ली। जंजीबार के राष्ट्रपति एवं रिवोल्यूशनरी काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. हुसैन अली म्विनी 17 से 20 जुलाई तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। वह उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के निमंत्रण पर अपनी पत्नी मरियम म्विनी तथा मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति म्विनी शुक्रवार सुबह चेन्नई पहुंचेंगे, जहां वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के 63वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आईआईटी मद्रास के जंजीबार परिसर की स्थापना के दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। राष्ट्रपति म्विनी शनिवार रात चेन्नई से नई दिल्ली पहुंचेंगे। रविवार को राष्ट्रपति म्विनी का व्यस्त कार्यक्रम रहेगा। वह सुबह विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे। इसके बाद उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से भेंट कर भारत-तंजानिया संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करेंगे तथा द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा देने के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

बारामूला सांसद राशिद इंजीनियर को कोर्ट से राहत, मानसून सत्र में हो सकेंगे शामिल

नई दिल्ली । दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने बारामूला के सांसद अब्दुल रशीद शेख उर्फ राशिद इंजीनियर को पुलिस हिरासत में रहते हुए 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने वाले आगामी मानसून सत्र में शामिल होने की अनुमति दे दी है। पटियाला हाउस मे कोर्ट में यह सुनवाई इन-कैमरा हुई। अब्दुल रशीद शेख आतंकी फंडिंग मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। बारामूला के जेल में बंद सांसद इंजीनियर राशिद ने इससे पहले 21 जून को घोषणा की थी कि वे लोकसभा से इस्तीफा दे देंगे, क्योंकि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के कामकाज को संभालने में असमर्थ हैं। हालांकि, उनकी अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने कहा कि इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय लेने से पहले वह जनता से परामर्श करेगी। एआईपी ने इंजीनियर राशिद द्वारा लोकसभा से इस्तीफा देने के इरादे पर अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की राय लेने का फैसला किया। इंजीनियर राशिद ने कहा कि वे उन लोगों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रहे हैं और उनकी सेवा नहीं कर पा रहे हैं जिन्होंने उन्हें भारी बहुमत से चुना है।

खाकी की आड़ में करजन में चल रहा अंधेर नगरी चौपट राजा जैसा तंत्र

एसपी और पीआई की साख बचाने के लिए एसएमसी की रेड से पहले ही एलसीबी द्वारा लोकेशन लीक करने का घिनौना पाप उजागर!

महानगर मेट्रो विशेष रिपोर्ट

एलसीबी पीआई के वहीवटदार 'भूपत रबारी' और जेल-रिटर्न बुटलेगर 'हनुभा कामड़िया' ने पूरे करजन तालुका को जुआ-शराब के अड्डों में बदला; इस अवैध कारोबार और हफ्ताखोरी के पीछे आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने की बड़ी राजनीतिक साजिश का 'महानगर मेट्रो' पर महाविस्फोट

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन। गुजरात सरकार भले ही राज्य में सख्त शराबबंदी के गगनभेदी ढोल पीट रही हो और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी भले ही ड्रग्स और शराब मुक्त गुजरात के बड़े-बड़े दावे कर रहे हों, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका से सामने आई हकीकत ने गांधीनगर में बैठे उच्च प्रशासन के होश उड़ा दिए हैं। करजन में कानून-व्यवस्था की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। पूरा तालुका मानो बुटलेगरों और जुआरियों के लिए पुलिस संरक्षण में एक 'सेफ हेवन' (सुरक्षित ठिकाना) बन चुका है। करजन पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे ही अरबों रुपये का अवैध नेटवर्क धड़ल्ले से चल रहा है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि इस पूरे काले साम्राज्य की कमान संभालने वाला कोई और नहीं, बल्कि खुद पुलिस का ही एक चहेता वहीवटदार हनुभा कामड़िया उर्फ हनु बुटलेगर है। यह वही हनुभा है जो पहले शराब के ही मामले में जेल की हवा खा चुका है और खाकी को दागदार करने के आरोप में सस्पेंड (निलंबित) भी हो चुका है। ऐसे शातिर अपराधी ने आज पूरे करजन तालुका की पुलिस को कथित तौर पर अपनी जेब में रख रखा है।

पीआई के कमाऊ पूतः भूपत रबारी और हनुभा का आतंक और लाखों का हफ्ता राज!

सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली और सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, वडोदरा एलसीबी पीआई के खास मोहरे और 'कमाऊ पूत' के रूप में कुख्यात भूपतभाई रबारी (डभोई बीट) और सस्पेंडेड (निलंबित) बुटलेगर हनुभा कामड़िया इस पूरे हफ्ताखोरी के खेल के मुख्य सूत्रधार हैं। ये वहीवटदार करजन तालुका सहित पूरे वडोदरा जिले के बुटलेगरों, जुआ अड्डों और अवैध धंधेबाजों से हर महीने लाखों रुपये का हफ्ता वसूल कर पीआई साहब की तिजोरियों को भरने का काम कर रहे हैं। इन वहीवटदारों और पुलिस के इसी गठजोड़ के कारण जिले भर में बुटलेगर बेखौफ घूम रहे हैं और स्थानीय पुलिस इन अड्डों पर छापेमारी करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पा रही है, क्योंकि इस भ्रष्ट तिकड़ी की जड़ें ऊपर तक जुड़ी होने की चर्चा है!

लोकेशन के साथ खुली पोलः यहाँ धड़ल्ले से चल रहा मौत और सट्टे का खुला कारोबार

करोड़ों रुपये के हफ्ते के दम पर करजन पुलिस स्टेशन से महज 2 किलोमीटर दूर स्थित करमडी गाँव में करीब 15 से ज्यादा देसी शराब की भट्टियां बिना किसी डर के चल रही हैं, जहाँ खतरनाक केमिकल युक्त जहरीली देसी शराब बनाई जा रही है, जो कभी भी बड़े लट्ठाकांड (शराब कांड) को अंजाम दे सकती है। इसके अलावाः

कुलारी गाँवः नई नगरी पानी की टंकी के पास

नगीन नाम का बुटलेगर बिना किसी खौफ के सरेआम वरली मटका का जुआ खिलवा रहा है।

सापा गाँवः नई वसाहत में भी यह वरली मटका का सट्टा धड़ल्ले से चल रहा है, जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है।

सीमडी से राणपुर रोडः राणपुर गाँव का सरपंच और बीजेपी युवा मोर्चा का अध्यक्ष पार्थ शाह खुद पूरे करजन तालुका में विदेशी शराब का बड़ा सिंडिकेट चला रहा है। इस रास्ते पर शराब का भारी जखीरा छिपाए जाने के पक्के सबूत मिले हैं।

कंडारी गाँवः टावर के पास अमित वसावा नाम का बुटलेगर अंग्रेजी शराब की खुली बिक्री कर रहा है।

बारियावास इलाकाः परेश चूनावाड़ा नाम का शख्स सरेआम इंग्लिश शराब बेच रहा है।

एसएमसी की रेड से पहले लोकेशन लीक करने का गंदा खेलः रक्षक ही बने भक्षक!

इस पूरे रैकेट का सबसे बड़ा और आत्मघाती खुलासा यह है कि जब भी कोई जागरूक नागरिक स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) में इन अड्डों की ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराता है, तो गांधीनगर से रेड (छापेमारी) पड़ने से ठीक पहले ही वडोदरा एलसीबी के कुछ भ्रष्ट कर्मी (चर्चा है कि एसएमसी के ही एक कांस्टेबल ने वडोदरा एलसीबी पीआई को मुखबिरी की है) वहीवटदार और करजन पुलिस को व्हाट्सएप पर लोकेशन भेजकर अलर्ट कर देते हैं कि 'गाड़ी निकल चुकी है, अड्डे बंद कर दो!'।

वडोदरा एलसीबी पीआई और करजन पुलिस स्टेशन के पीआई पटेल के वहीवटदारों ने पूरे वडोदरा जिले को बुटलेगरों के हाथों बेच दिया हो, ऐसी स्थिति बन चुकी है। इस मामले में जब पक्ष जानने के लिए समाचार ब्यूरो द्वारा एलसीबी पीआई साहब से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो वे मीडिया के सवालों से डरकर भागते नजर आए और फोन उठाना ही बंद कर दिया, जिससे साफ होता है कि यहाँ दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है!

पर्दे के पीछे की बड़ी राजनीतिक साजिशः बीजेपी सरकार को गिराने का खेल!

राजनीतिक गलियारों और विश्वस्त सूत्रों से मिली बेहद सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, करजन तालुका और वडोदरा जिले में चल रहे इस बेखौफ काले कारोबार, हफ्ताखोरी और चरमराई कानून-व्यवस्था के पीछे सिर्फ पैसा कमाना ही एकमात्र मकसद नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ी गुप्त राजनीतिक साजिश रची जा रही है। जनता के मन में सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश पैदा करके, कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाकर और अपराध को बेलगाम करके आगामी विधानसभा चुनाव में वर्तमान बीजेपी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए अंदर ही अंदर यह पूरा ताना-बाना बुना जा रहा है। सरकारी तंत्र और संगठन के ही कुछ तथाकथित असंतुष्ट मोहरे बुटलेगरों के साथ मिलकर पूरी व्यवस्था को बदनाम करने की सोची-समझी साजिश चला रहे हैं, ताकि चुनाव में सत्तारूढ़ दल को बड़ा राजनीतिक नुकसान पहुँचाया जा सके।

प्रशासन और सरकार से 'महानगर मेट्रो' के सीधे और तीखे सवालः

1. वडोदरा जिले के पुलिस कप्तान (एसपी) सुशील अग्रवाल और पीआई पटेल अपनी नाक के नीचे चल रहे इस करोड़ों के हफ्ता राज और पीआई के कमाऊ मोहरों भूपत रबारी व हनुभा कामड़िया की करतूतों पर आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं? इस रहस्यमयी खामोशी के पीछे कौन सा बड़ा आर्थिक हित छिपा है और हफ्ते का हिस्सा कहाँ तक जा रहा है?

2. सूत्रों के अनुसार एलसीबी पीआई और उनके वहीवटदार हर महीने लाखों का हफ्ता वसूल कर अरबों की बेनामी संपत्तियां बना चुके हैं, तो भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा इन पीआई और वहीवटदारों के बैंक खातों और संपत्तियों की गुप्त जांच क्यों नहीं की जा रही है? इन्हें किसका संरक्षण प्राप्त है?

3. क्षेत्र के स्थानीय विधायक और सांसद इस गंभीर दूषण और जानलेवा केमिकल युक्त शराब के धंधे पर चुप्पी साधे क्यों बैठे हैं? क्या जनता के वोट और उनकी जान से ज्यादा ये अवैध वहीवट प्यारे हैं?

4. सबसे बड़ा और ज्वलंत सवाल–करजन तालुका में केमिकल वाली देसी शराब की भट्टियां खुलेआम चल रही हैं, अगर भविष्य में यहाँ कोई भयानक लट्ठाकांड होता है और मासूम नागरिकों की मौत होती है, तो इसका असली जिम्मेदार कौन होगा? गांधीनगर में बैठी सरकार, जिले के एसपी या फिर हफ्ताखोरी में डूबे ये पीआई और उनके वहीवटदार?

यह भ्रष्ट टोली और पर्दे के पीछे बैठे उनके राजनीतिक आका सूबे के मुख्यमंत्री की स्वच्छ छवि को सरेआम धूमिल कर रहे हैं। 'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर (समाचार पत्र) सीधे शब्दों में पूछता है कि बुटलेगरों के दम पर, कमाऊ वहीवटदारों के हफ्ता राज पर और सरकार को गिराने के इस खतरनाक खेल के खिलाफ गांधीनगर से कब सख्त हथौड़ा चलेगा या फिर जनता को इसी नरक में जीने के लिए मजबूर छोड़ दिया जाएगा?

आंगनवाड़ी वर्कर्स की रिव्यू और गाइडेंस मीटिंग सरकारी आयुर्वेद हॉस्पिटल देवगढ़ बारिया में हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़। आंगनवाड़ी सेंटर्स द्वारा दी जाने वाली अलग-अलग सर्विसेज़ के बारे में डिटेल में गाइडेंस देते हुए, प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली माताओं, 0 से 6 साल के बच्चों और टीनएजर्स को दी जाने वाली न्यूट्रिशनल सर्विसेज़, सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन का महत्व, कुपोषण से बचाव, बच्चों का रेगुलर वज़न और हाइट नापना, ग्रोथ मॉनिटरिंग, AVT, सुपोषित दाहोद अभियान के साथ-साथ SAM और MAM बच्चों की रेगुलर मॉनिटरिंग और फॉलो-अप के बारे में डिटेल में जानकारी दी। इसके साथ ही हेल्थ से जुड़ी सर्विसेज़ को असरदार तरीके से लागू करने पर भी ज़ोर दिया गया। मीटिंग के दौरान प्रोग्राम ऑफिसर ने आंगनवाड़ी वर्कर बहनों से अपील की कि वे लड़कियों के एम्पावरमेंट के लिए स्कूल छोड़ने वाली लड़कियों का दोबारा एडमिशन कराएं। उन्होंने कहा कि जो आंगनवाड़ी वर्कर तीन लड़कियों का दोबारा एडमिशन कराएगी, उसे डिस्ट्रिक्ट लेवल पर सम्मानित किया जाएगा और सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इसके अलावा, आंगनवाड़ी सेंटरों के ज़रिए सरकार की तरफ से दी जाने वाली अलग-अलग स्कीम और फायदे हर बेनिफिशियरी तक समय पर, ट्रांसपेरेंट और असरदार तरीके से पहुंचाने के लिए ज़रूरी निर्देश दिए गए।

प्रतिनिधि जाबिर शुक्ला देवगढ़ बारिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़। स्कूल के परिसर में भगवान जगन्नाथजी की रथ यात्रा बड़ी धूमधाम और खुशी के साथ निकाली गई। आषाढ़ी बीज के पावन पर्व के अवसर पर आयोजित इस रथ यात्रा का उद्घाटन स्कूल के ट्रस्टी बाबा साहेब के आशीर्वाद से हुआ।इस भव्य रथ यात्रा में प्री-प्राइमरी डिपार्टमेंट के छोटे-छोटे बच्चों ने हिस्सा लिया। रथ यात्रा के दौरान, इरा स्कूल के सभी स्टूडेंट्स और टीचर्स ने लॉबी से भगवान जगन्नाथजी, भाई बलभद्र और बहन सुभद्राजी के दर्शन किए और खुद को धन्य महसूस किया और आशीर्वाद लिया। भजन-कीर्तन, माँ और 'जय जगन्नाथ' के गगनचुम्बी नारों से पूरे स्कूल परिसर का माहौल भक्तिमय हो गया। आरती के बाद, रथ यात्रा के खत्म होने पर, स्कूल की तरफ से सभी भक्तों, स्टाफ और स्टूडेंट्स को पारंपरिक प्रसाद बांटा गया।

भरूच को इंडिया-UK फ्री ट्रेड डील का पहला फ़ायदा मिला झगड़िया से च भेजा गया पहला एक्सपोर्ट कंसाइनमेंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। इंडिया और यूनाइटेड किंगडम के बीच साइन हुए फ्री ट्रेड डील का पहला फ़ायदा मिला है। झगड़िया GIDC में मौजूद ब्रेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की फ्लोमेटैलिक यूनिट से UK को पहला एक्सपोर्ट कंसाइनमेंट भेजा गया है। यह एक्सपोर्ट भरूच के इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए एक अहम घटना है। रेनॉल्ट कंपनी के लिए ब्रेक्स इंडिया द्वारा तैयार किए गए कुल 13,200 ब्रेक कास्टिंग पार्ट्स UK भेजे गए हैं। इस कंसाइनमेंट का वज़न 25,656 किलोग्राम है और इसकी अनुमानित कीमत 39,020 यूरो है। DGFT डेवलपमेंट कमिश्नर अनुपम कुमार, भरूच के MP मनसुख वसावा, लोकल लीडर सेवंतू वसावा और रावजी वसावा, साथ ही कंपनी के सीनियर अधिकारी और कर्मचारी हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम में मौजूद थे। यह एक्सपोर्ट भरूच इंडस्ट्रीज़ को ग्लोबल मार्केट में नई पहचान दिलाने में एक ज़रूरी कदम है। फ्री ट्रेड डील के तहत ड्यूटी में छूट से लंबे समय में गुजरात के ऑटो कंपोनेंट, इंजीनियरिंग, केमिकल और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सीधा फायदा होने की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह डील भारतीय प्रोडक्ट्स के लिए UK मार्केट के दरवाज़े और खोलेगी, जिससे लोकल प्रोडक्शन बढ़ेगा, नए इन्वेस्टमेंट और रोज़गार के मौके मिलेंगे।ज़गदिया से यह पहला एक्सपोर्ट फ्री ट्रेड डील के लागू होने की एक सिंबॉलिक शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। भविष्य में, यह एग्रीमेंट भरूच इंडस्ट्रीज़ को इंटरनेशनल ट्रेड में मज़बूत पकड़ बनाने में मदद करेगा।

कियाभरूच क्लास-वन ऑफिसर के सुसाइड केस में जांच तेज पुलिस ने बैंक अकाउंट और लोन डिटेल्स चेक करना शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। घटना की गंभीरता को देखते हुए C डिवीजन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच के दौरान, मौके से एक नोट मिला, जिसमें पैसे की तंगी और लोन की किश्तों की चिंता का जिक्र था। पुलिस ने इस दिशा में आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मिले नोट को जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेज दिया है। इसके अलावा, मृतक के बैंक अकाउंट्स, क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन और दूसरे पैसे के बोझ से जुड़ी डिटेल्स इकट्ठा की जा रही हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिवार वालों के बयान मिलने के बाद पूरे घटनाक्रम के बारे में और साफ जानकारी मिलने की उम्मीद है। भरूच के झाड़ेश्वर इलाके में रामेश्वर पार्क सोसाइटी में रहने वाले एक युवा सरकारी अधिकारी की दुखद मौत से पूरे इलाके में दुख की लहर दौड़ गई है। ज़िंदगी में कई सपनों और ज़िम्मेदारियों के बीच पैसे के बोझ से जूझ रहे अधिकारी ने आखिरकार अपनी ज़िंदगी खत्म कर ली, जिससे उनके परिवार और सहकर्मियों में गहरा दुख है। मिली जानकारी के मुताबिक, पीयूषभाई उकानी का एक महीने पहले ट्रांसफर हुआ था और वे प्लानिंग डिपार्टमेंट में क्लास-वन अधिकारी के तौर पर ड्यूटी पर आए थे और झाड़ेश्वर की रामेश्वर पार्क सोसाइटी में किराए के मकान नंबर UA-12 में रह रहे थे। आज सुबह जब वे घर पर अकेले थे, तो उनकी बेजान लाश मिली, जिससे सोसाइटी में हड़कंप मच गया।

करजन के किसानों के खून-पसीने की कमाई डकारने वाला 'सफेदपोश' कौन?

पूर्व विधायक सतीश पटेल के करोड़ों के घोटालों और प्रताड़ना की खौफनाक दास्तान

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव | **किसानों के मुद्दों पर गरमाई करजन की सियासत**

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन तालुका, वडोदरा।

1. गंधारा शुगर मिल का 25 करोड़ का घोटाला: गन्ना भी लिया, चीनी भी बेची, लेकिन किसानों को क्या मिला? सिर्फ आंसू

कहते हैं कि सहकारी संस्थाएं किसानों के कल्याण के लिए होती हैं, लेकिन करजन तालुका की गंधारा शुगर मिल में कहानी बिल्कुल उलट है। मिल के तत्कालीन चेयरमैन और पूर्व विधायक सतीश पटेल पर आरोप है कि उन्होंने सत्ता के रसूख पर शुगर मिल में करीब 25 करोड़ रुपये का तगड़ा घोटाला किया।

सूत्रों के मुताबिक, इलाके के करीब 2500 भोले-भाले किसानों से दिन-रात की मेहनत से उगाई गई गन्ने की फसल ले ली गई। इस गन्ने से चीनी बनाकर बाजार और सरकार को बेच भी दी गई, लेकिन जब गरीब किसानों के हक का पैसा चुकाने का वक्त आया, तो सतीश पटेल ने हाथ खड़े कर दिए। अपने खून-पसीने की कमाई पाने के लिए ये किसान आज भी दर-दर भटक रहे हैं।

2. करजन कॉटन विभाग में भी हेराफेरी: कपास रखने की जगह पर खड़ी कर दीं अवैध दुकानें!

सतीश पटेल की कथित अनियमितताएं यहीं नहीं थमतीं। करजन कॉटन पूर्व विभाग के चेयरमैन के रूप में सतीश पटेल ने कायदे-कानूनों को ताक पर रखकर एक बड़ा खेल किया। किसानों के कपास की फसल को सुरक्षित रखने के लिए जो जगह आवंटित की गई थी, वहां कपास रखने के बजाय सतीश पटेल ने अवैध रूप से दुकानों का निर्माण करवा दिया। इन दुकानों को अवैध तरीके से बेचकर करोड़ों रुपये अपनी जेब में डाल लिए गए। इसके अलावा, एपीएमसी (APMC) में डायरेक्टर रहते हुए भी करीब 400 करोड़ रुपये का महाघोटाला अंजाम देने के गंभीर आरोप उन पर लगे हैं।

3. बेटे ध्रुवल पटेल के स्कूल में अवैध निर्माण: नगरपालिका अध्यक्ष इलाबा के साथ कथित मिलीभगत?

सत्ता के नशे में चूर इस परिवार ने करजन नगरपालिका के नियमों की भी धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सतीश पटेल के बेटे ध्रुवल पटेल करजन तालुका में 'करजन पब्लिक स्कूल' चलाते हैं। इस स्कूल की इमारत में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण किए जाने की शिकायतें उठी थीं, जिसके बाद करजन नगरपालिका ने उन्हें नोटिस भी थमाया था। लेकिन हैरत की बात यह है कि नोटिस देने के बाद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अंदरखाने चल रही चर्चाओं की मानें तो, करजन नगरपालिका की अध्यक्ष इलाबा और सतीश पटेल के बीच गहरी मिलीभगत है, जिसके चलते कानूनी फाइलों को दबा दिया गया है और कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है।

4. पिनाकिन पटेल की आत्महत्या: सतीश पटेल की 'पठानी वसूली और सुसाइड नोट का राज

इन कथित घोटालों का सबसे स्याह और दर्दनाक पहलू यह है कि इसके कारण एक बेकसूर किसान को अपनी जान गंवानी पड़ी। शुगर मिल घोटाले के दौरान पिनाकिन पटेल नाम के एक स्थानीय किसान के लाखों रुपये फंस गए थे। आर्थिक तंगी से परेशान पिनाकिन पटेल को पैसों की सख्त जरूरत थी, जिसके लिए उन्होंने सतीश पटेल से ब्याज पर पैसे लिए। एक तरफ शुगर मिल में जमा उनके अपने हक के पैसे डूब गए और दूसरी तरफ सतीश पटेल ने ब्याज की रकम वसूलने के लिए पठानी (क्रूर) वसूली शुरू कर दी। इस मानसिक प्रताड़ना और धमकियों से तंग आकर आखिरकार पिनाकिन पटेल ने मौत का रास्ता चुन लिया। खुदकुशी करने से पहले उन्होंने एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें साफ तौर पर दर्ज था– 'मैं सतीश पटेल के उत्पीड़न और पठानी वसूली के कारण आत्महत्या कर रहा हूं। उस वक्त यह सुसाइड नोट मीडिया और सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। लेकिन अफसोस की बात यह है कि तब सतीश पटेल सत्ताधारी दल के मौजूदा विधायक थे। पैसे और रसूख के बल पर इस मामले को रफा-दफा कर दिया गया और पीड़ित परिवार को न्याय के नाम पर सिर्फ ढांढस मिला।

5. अन्नदाता बर्बाद: कपास किसानों की हालत भी दयनीय

सूत्रों से मिली चौंकाने वाली जानकारियों के अनुसार, सतीश पटेल के किसान विरोधी रवैए के कारण करजन तालुका के सैकड़ों किसान पूरी तरह कंगाल हो चुके हैं। जो किसान पहले गन्ने की खेती करके गर्व से अपना गुजारा करते थे, उनकी आजीविका छिन चुकी है। अब नौबत यह आ गई है कि करजन के कपास उगाने वाले किसान भी गहरे आर्थिक संकट में फंस गए हैं। स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है कि अगर ऐसे सत्तालोभी और किसान विरोधी नेताओं के खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी कदम उठाकर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे नहीं भेजा गया, तो आने वाले दिनों में कर्ज के बोझ तले दबे करजन के किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाएंगे। अब सवाल यह उठता है कि क्या सरकार इस 'सफेदपोश' और पूर्व विधायक के घोटालों की निष्पक्ष जांच कराकर पीड़ित किसानों को न्याय दिलाएगी? या फिर पैसे और पावर के दम पर यह काला कारोबार यूं ही चलता रहेगा? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

करजन के किसान बोले–अब चाहिए हिसाब, नहीं तो होगा बड़ा आंदोलन

करजन तालुका में किसानों से जुड़े आर्थिक मामलों और सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। किसानों का कहना है कि वर्षों से लंबित भुगतान, वित्तीय अनियमितताओं के आरोप और प्रशासनिक पारदर्शिता की कमी ने उनकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। कई किसान संगठनों ने मांग की है कि सहकारी संस्थाओं और उनसे जुड़े सभी वित्तीय लेन-देन की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि यदि कहीं भी अनियमितता हुई हो तो जिम्मेदार लोगों पर कानून के अनुसार कार्रवाई हो सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि सहकारी संस्थाओं का उद्देश्य किसानों को आर्थिक मजबूती देना है, लेकिन यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसकी जवाबदेही तय होना आवश्यक है।

महानगर मेट्रो न्यूज डेस्क

BJP के 'एक व्यक्ति, एक पद' के दावे के बीच विवादित पूर्व MLA सतीश पटेल की उम्मीदवारी पर किसानों में गुस्सा है

वडोदरा APMC चुनावों का ऐलान होते ही पॉलिटिक्स गरमा गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सतीश पटेल पर सत्ता और गॉडफादर के ज़रिए टिकट पाने का ज़बरदस्त दबाव वडोदरा APMC चुनावों का ऑफिशियल ऐलान होते ही पॉलिटिकल गर्मी अपने चरम पर पहुँच गई है। एक तरफ़ BJP संगठन और सत्ता में 'एक व्यक्ति, एक पद' की बड़ी-बड़ी बातें करके खुद को एक अनुशासित पार्टी होने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ़ ज़मीनी हकीकत कुछ और ही इशारा कर रही है। करजन से विवादित पूर्व MLA सतीश पटेल ने अब वडोदरा PMCA चुनावों में अपनी उम्मीदवारी पेश की है, जिससे किसानों में ज़बरदस्त गुस्सा है। आरोप है कि सतीश पटेल अपने ऊँचे राजनीतिक 'गॉडफादर' का इस्तेमाल करके और सत्ता का दबाव बनाकर पार्टी लीडरशिप पर किसी भी कीमत पर टिकट पाने का दबाव बना रहे हैं। शुगर मिल के 25 करोड़ रुपये के घोटाले और किसानों के पैसे के गबन का कलंक

यहां यह बताना ज़रूरी है कि जब सतीश पटेल रूथे, तब गंभीर आरोप लगे थे कि करजन तालुका की गांधार शुगर मिल में करीब 25 करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला हुआ है। उन पर आज भी आरोप है कि उन्होंने करीब 2500 बेकसूर किसानों का गन्ना लेकर, चीनी बनाकर उसे बाज़ार और सरकार को बेचकर हज़ारों गरीब किसानों का पैसा हड़प लिया। APMC जैसे किसानों के संगठन की कमान उस घोटाले के मुख्य मास्टरमाइंड को सौंपने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, जिसके लिए किसान आज भी दर-दर भटक रहे हैं।

बेटे ध्रुवल पटेल पर भी गंभीर आरोप

APMC की ज़मीन पर लाखों की दुकानें बेचने का आरोप जैसे कि यह काफ़ी नहीं है, सतीश पटेल के बेटे ध्रुवल पटेल अभी APMC में डायरेक्टर के पद पर हैं। उनके कार्यकाल पर यह भी गंभीर आरोप लग रहे हैं कि किसानों की फ़सलों और सुविधाओं के लिए रिज़र्व PMC की कीमती ज़मीन पर गैर-कानूनी तरीके से दुकानें गिराई गईं। इलाके में इस बात की खूब चर्चा है कि इन गैर-कानूनी दुकानों को बार-बार 40 से 60 लाख रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया, जो APMC की किताबों में करोड़ों रुपये के किसी भी सरकारी हिसाब-किताब में नहीं मिलता। जनरल सेक्रेटरी जयदीप चौहान भी रेस में किसानों की मांग है कि 'सिर्फ किसान के बेटे को टिकट दें' दूसरी तरफ, वडोदरा जिला BJP संगठन के जनरल सेक्रेटरी जयदीप चौहान भी इस APMC चुनाव में एक मजबूत दावेदार के तौर पर उभरे हैं, जिससे इस सीट के लिए अंदरूनी तनाव बढ़ गया है। इस हालात के बीच कर्जन पंथक की दुनियादारी ने अब जुबानी जंग शुरू कर दी है। किसानों की साफ मांग है कि वडोदरा APMC में किसी अमीर आदमी, उद्योगपति या पहले घोटाले करने वाले नेता को नहीं, बल्कि किसी सच्चे और नेक किसान के बेटे को ही उम्मीदवार बनाया जाए, जो सही मायने में किसानों का दर्द समझ सके और उनके हक के लिए लड़ सके। किसानों ने पक्का फैसला कर लिया है कि इस बार वे पार्टी को नहीं, बल्कि किसी सच्चे किसान के बेटे को ही जिताएंगे। किसानों की BJP को खुली चेतावनी: घोटालेबाजों का साथ दिया तो विधानसभा का बायकॉट करें गुस्से से भरे किसानों ने रूलिंग पार्टी BJP को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर शुगर मिल में करोड़ों का घोटाला करने वाले सतीश पटेल या उसके किसी साथी या सहयोगी को BJP ने टिकट देकर सपोर्ट किया तो आने वाले दिनों में गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। किसानों ने ऐलान किया है कि अगर भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा दिया गया तो आने वाले विधानसभा चुनाव में पूरे वडोदरा जिले के किसान एकजुट होकर BJP का पूरी तरह से बायकॉट करेंगे और पार्टी को उसकी असली जगह दिखाएंगे। अब देखना यह है कि BJP अपनी ही कहानी और टैक्स वही रखकर घोटालेबाजों के टिकट काटती है या पॉलिटिकल प्रेशर के आगे झुकती है!

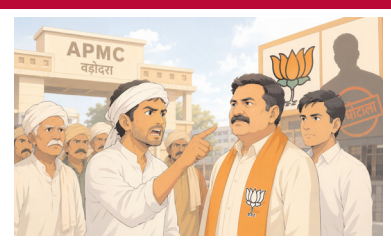

डभोई शहर के ऐतिहासिक व धार्मिक केंद्र बहुचराजी माताजी मंदिर के पास पिछले एक माह से सार्वजनिक रास्ते पर सीवेज बह रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। स्थानीय प्रशासन की घोर उदासीनता के कारण स्थानीय निवासियों, व्यापारियों व यहां से गुजरने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पवित्र तीर्थ स्थल व आवासीय क्षेत्र में फैली इस गंदगी के कारण लोगों में नगर पालिका के खिलाफ काफी रोष है। प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बाद भी कोई नतीजा नहीं स्थानीय लोगों के अनुसार इस गंभीर समस्या को लेकर डभोई नगर पालिका को एक बार नहीं बल्कि कई बार मौखिक व लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है। लेकिन, कुंभकर्ण की नींद सो रही नगर पालिका प्रशासन की ओर से कोई ठोस व प्रभावी काम नहीं किया गया है। यहां सिर्फ सीवेज की ही समस्या नहीं है, बल्कि क्षेत्र में कचरा उठाने के लिए नियमित रूप से गाड़ियां नहीं आती हैं। सफाई का काम पूरी तरह से रुक गया है, जिससे सड़क पर कचरे के ढेर लग गए हैं। चांदीपुरा वायरस के डर के बीच महामारी का डर। इस समय पूरे राज्य में चांदीपुरा वायरस और मच्छरों से होने वाली बीमारियों का डर मंडरा रहा है। साथ ही, इस इलाके में चौबीसों घंटे भरे गंदे पानी और गंदगी से असहनीय बदबू फैल रही है। यह भयानक गंदगी मच्छरों और जहरीले कीड़ों के पनपने की जगह बन गई है, जिससे स्थानीय लोगों में गंभीर महामारी फैलने का डर पैदा हो गया है। अगर इस गंदगी के कारण इलाके में कोई जानलेवा महामारी फैलती है और किसी नागरिक की जान चली जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? नगर निगम के अधिकारी या स्वास्थ्य विभाग। समाधान की तुरंत मांग। श्रद्धा से भरे इस धार्मिक स्थल की पवित्रता खतरे में पड़ गई है और लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों की पुरजोर मांग है कि डभोई नगर निगम के अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लें और तुरंत सीवर लाइनों की मरम्मत करें और इलाके में गहन सफाई अभियान शुरू करें।

प्रशासन की लापरवाही भ्रष्टाचार की चिता पर!

झगड़िया के माधी में अंतिम संस्कार भी खतरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जीते-जीते सरकारी सिस्टम और नेताओं की परेशानी तो झेलनी ही पड़ती है, लेकिन अब भरूच जिले के झगड़िया में ऐसे हालात बन गए हैं, जहां मरने के बाद भी आजादी पाने के लिए भ्रष्टाचार के सिस्टम से लड़ना पड़ रहा है। झगड़िया के माधी गांव में नर्मदा किनारे लाखों रुपये खर्च करके बनाया गया श्मशान आज खुद प्रशासन की बड़ी लापरवाही और लालीवाड़ी के कारण मरणासन्न हालत में पहुंच गया है। 30 लाख रुपये खर्च करने के बावजूद हालात ऐसे हैं कि मृतकों को अंतिम संस्कार और दाह संस्कार के लिए नर्मदा नदी के खुले किनारे पर बैठना पड़ रहा है। मेन कॉन्ट्रैक्टर काम अधूरा छोड़कर भाग गया, सब-कॉन्ट्रैक्टर ने ली छलांग भरूच ज़िला पंचायत ने किसानों की ज़मीन एक्वायर करके 30 लाख रुपये से ज़्यादा की ग्रांट दी। मकसद था कि मढ़ी और उसके आस-पास के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए अच्छी सुविधाएँ मिलें। लेकिन इस प्रोजेक्ट की शुरुआत से ही करप्शन की अफवाह थी। मेन कॉन्ट्रैक्टर काम अधूरा छोड़कर दिवालिया हो गया। उसके बाद, सब-कॉन्ट्रैक्टर ने जैसे-तैसे काम पूरा किया, लेकिन इस श्मशान घाट को अभी तक फ़ाइनल टच नहीं दिया गया है। करोड़ों रुपये के टैक्स के पैसे से बनी यह बिल्डिंग मेंटेनेंस के अभाव में जर्जर होकर गिर गई है अभी तो लोग नर्मदा नदी के खुले किनारे पर अंतिम संस्कार कर रहे हैं, लेकिन असली मुसीबत तो मानसून में आती है। जब नदी में बाढ़ की हालत हो और ऊपर से भारी बारिश हो रही हो, तो किसी अपने की लाश का अंतिम संस्कार कहाँ करें? यह बड़ा यक्ष प्रश्न स्थानीय लोगों को परेशान कर रहा है। इतनी गंभीर समस्या होने के बावजूद मोटी चमड़ी वाले प्रशासन की आँखें नहीं खुल रही हैं। यह कोई सुविधा नहीं है, यह जनता के पैसे के साथ सरासर अन्याय है।

पूजा पूरी करके अपने बगीचे के लिए निकल रहे शिव भक्त को भगवान ने अपने चरणों में बुला लिया

गोंडल के कबाभाई अमरेटिया की मौत से दुख की लहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडल। गोंडल पंथक से भक्ति की पराकाष्ठा और जीवन की क्षणभंगुरता की एक बहुत ही दिल दहला देने वाली कहानी सामने आई है। भक्ति में डूबा एक सच्चा शिव भक्त अपनी पूजा पूरी करके अपने बगीचे के लिए निकल गया, लेकिन शायद हालात कुछ और थे। मानो भगवान भक्त की भक्ति से खुश होकर उसे सीधे अपने चरणों में बुला लिया हो, गोंडल के कबाभाई उमरेटिया का अचानक निधन हो गया है। जैसे ही यह दुखद खबर जंगल में आग की तरह फैली, पूरे पंथक में भारी उदासी के साथ मातम का अंधेरा छा गया है।

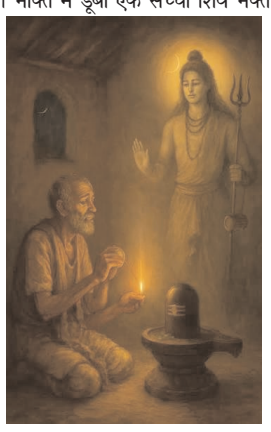

जीवन की क्षणभंगुरता का जीता-जागता सबूत

कबाभाई के इस नश्वर संसार को छोड़ने की खबर सभी को हैरान कर देने वाली है। पवित्र सुबह में भगवान को याद करके निकली आत्माओं का अचानक चले जाना यह साबित करता है कि जीवन सच में अनिश्चित है। कोई नहीं जानता कि सांस कब खत्म हो जाए और कौन सा पल आखिरी हो। सिर्फ़ प्यार और अच्छे कर्म साथ देते हैं यह घटना समाज को एक बड़ा संदेश देती है कि दुनिया की सारी माया यहीं रह जाती है। जब कोई इंसान इस दुनिया से जाता है, तो उसके साथ सिर्फ़ उसके अच्छे कर्म और भगवान की याद ही जाती है। इसलिए, इंसान को अहंकार और नफ़रत को पीछे छोड़कर हर दिन प्यार, सद्भावना और भगवान की भक्ति के साथ जीना चाहिए। मैं प्रार्थना करता हूँ कि सर्वशक्तिमान ईश्वर पवित्र आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिवार को इस असहनीय दर्द को सहने की शक्ति दें

संक्षिप्त न्यूज

डभोई रेलवे स्टेशन के पास पुलिस की रेड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। रेलवे स्टेशन के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से लकड़ी के बॉक्स में छिपाकर रखी गई 10,608 रुपये की शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। अब शराब की सप्लाई और पूरे नेटवर्क की जांच तेज कर दी गई है।

लव बाइट क्या है? जानिए इसके पीछे का साइंस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लव बाइट, जिसे 'हिक्की' भी कहा जाता है, त्वचा के नीचे की छोटी रक्त वाहिकाओं के फटने से बनने वाला अस्थायी निशान होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों में भी मिलता है और इसे प्रेम की अभिव्यक्ति का एक तरीका माना गया है। हालांकि, इसे हमेशा आपसी सहमति और सावधानी के साथ ही अपनाना चाहिए। अधिक दबाव या संवेदनशील हिस्सों पर जोर देने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी हो सकते हैं।

गुजरात में 'अशांतधारा' का बदला नाम, अब 'स्पेसिफाइड एरिया' कहलाएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने प्रॉपर्टी ट्रांसफर कानून में बड़ा बदलाव करते हुए 'अशांतधारा' की जगह 'स्पेसिफाइड एरिया' नाम लागू करने का फैसला किया है। नए नियमों के तहत संवेदनशील क्षेत्रों में संपत्ति खरीद-बिक्री से पहले कलेक्टर स्तर पर जांच अनिवार्य होगी। धोखाधड़ी के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की जाएगी, जबकि गैर-कानूनी संपत्ति सौदों को रद्द कर रकम लौटाने का भी प्रावधान किया गया है।

AMC की बड़ी कार्रवाई, EWS आवासों से अवैध कब्जे हटाने का अभियान शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद नगर निगम ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए बने आवासों पर अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया है। निगम पुलिस सुरक्षा के बीच कब्जाधारियों को बेदखल कर मकानों को अपने कब्जे में लेकर सील कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई शहरभर में जारी रहेगी ताकि पात्र लाभार्थियों को उनके आवंटित घर मिल सकें।

जगन्नाथ दर्शन के लिए जा रही दो छात्राओं को ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सायण-हजीरा आउटर रिंग रोड पर भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जा रही दो कॉलेज छात्राओं की मोपेड को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सोनम वांगचुक के आंदोलन को लेकर चर्चा तेज, समर्थकों ने मांगों पर कार्रवाई की उठाई आवाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। शिक्षा, पर्यावरण और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक के आंदोलन को लेकर देशभर में चर्चा तेज हो गई है। उनके समर्थकों का कहना है कि सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए सकारात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं, इस आंदोलन को लेकर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। हालांकि, आंदोलन से जुड़े कई दावों और आरोपों पर आधिकारिक पुष्टि या संबंधित पक्षों की विस्तृत प्रतिक्रिया का इंतजार है।

भगवान जगन्नाथ की 28वीं रथ यात्रा इदर में बड़े पैमाने पर निकाली गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। भगवान जगन्नाथ की 28वीं रथ यात्रा इदर में निकली। भगवान जगन्नाथ की 28वीं रथ यात्रा गुरुवार को आषाढ़ी बीज के शुभ अवसर पर इदर में बड़े पैमाने पर निकाली गई। रथ यात्रा सुबह ऐतिहासिक बड़े रामद्वारा मंदिर से वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ निकली, जिसमें हज़ारों हरिभक्त शामिल हुए। इस मौके पर इदर के ख़्र रमनलाल वोरा, ज़िला BJP अध्यक्ष कनुभाई पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष अनसुयाबेन पटेल, मोटा रामद्वारा मंदिर के महंत रामकृपालजी महाराज और दूसरे संत और महापुरुष मौजूद थे और उन्होंने भगवान के रथ को हरी झंडी दिखाई। दोपहर में जब रथ कस्बा इलाके में पहुंचा, तो अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं और भाइयों ने भगवान का स्वागत किया और सांप्रदायिक एकता का सुंदर संदेश दिया। उसके बाद मुख्य अधिकारी जैमिन चौधरी और नगर पालिका के कर्मचारियों ने रथ का स्वागत किया और जलाराम मंदिर में महाआरती का आयोजन किया गया। सत्यम चौकड़ी क्षेत्र के व्यापारियों ने भगवान का पारंपरिक मामेरा भरा और नए कपड़े, आभूषण और नकद उपहार चढ़ाए। इसके अलावा, रेलवे स्टेशन क्षेत्र में भोजन और प्रसाद का आयोजन किया गया था, जिसमें युवा सुबह से ही सेवा कार्य में शामिल हुए और यात्रा के दौरान दुर्गा वाहिनी की बेटियों द्वारा किया गया तलवारबाजी आकर्षण का केंद्र रहा। महाआरती के बाद, रथ यात्रा ममलतदार कार्यालय, तिरंगा सर्किल, मुख्य बाजार, टॉवर चौक, खराडी बाजार और पांच हटिया क्षेत्र से होते हुए अपने निज मंदिर मोटा रामद्वारा लौट आई, जहां भगवान की भव्य महाआरती की गई। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े, इदर DySP स्मित गोहिल, इदर PI R.A. चौधरी, LCB, SOG और पुलिस कर्मियों द्वारा कड़े और सुचारू व्यवस्था की गई थी। इदर नगर उत्सव समिति के सदस्यों के अथक प्रयासों और पुलिस सिस्टम के सहयोग से पूरी रथ यात्रा भक्ति, उत्साह और सामाजिक एकता के माहौल में शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

महुवा के बाम्हनिया में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की गलती से मौत का तांडवः तेंदुए ने मासूम बच्चे की जान ले ली, पोते की मौत से दादी का भी दिल बैठ गया!

महानगर मेट्रो ब्यूर

भावनगर/महुवा। सौराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की बड़ी लापरवाही और कागजों पर किए गए काम अब मासूम इंसानों की जान के लिए मौत का कारण बन रहे हैं। भावनगर जिले के महुवा तालुका के बाम्हनिया गांव में आदमखोर तेंदुए के आतंक ने एक खुशहाल परिवार को तबाह कर दिया है। तेंदुए ने एक मासूम बच्चे पर जानलेवा हमला कर उसे मार डाला। इस दिल दहला देने वाली घटना का सदमा बर्दाश्त न कर पाने पर बच्चे की दादी की भी हार्ट अटैक से दुखद मौत हो गई। एक ही परिवार में कुछ ही घंटों के अंदर हुई इस दोहरी मुसीबत ने पूरे सौराष्ट्र इलाके में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के खिलाफ भारी गुस्सा पैदा कर दिया है। दादी और पोता एक साथ जलेः फॉरेस्ट डिपार्टमेंट सो रहा था और काल ने मार डाला बांभानिया

गांव के बॉर्डर एरिया में हुई इस घटना के लिए सीधे तौर पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के निकम्मे अधिकारी जिम्मेदार हैं जो सिर्फ सरकारी ऑफिस के AC कमरों में मीटिंग करते हैं। मासूम का शिकार रात में वाड़ी एरिया में अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया और एक मासूम बच्चे को अपना शिकार बना लिया। जब मासूम का बेजान शरीर लहूलुहान हालत में मिला तो पूरा गांव सदमे में आ गया। दिल दहला देने वाला सदमा अपने प्यारे पोते को खून से लथपथ और मौत के मुंह में देखकर दादी का दिल इस भयानक सदमे को बर्दाश्त नहीं कर सका। आंसुओं से लथपथ दादी का दिल टूट गया और उनकी भी मौके पर ही मौत हो गई। एक ही घर से दो जनाजे उठेः जिस घर में मासूम की किलकारियां गूंजती थीं और दादी की दुआएं होती थीं, आज उसी घर से एक ही समय में दो जनाजे उठे। पत्थर दिल इंसान की आंखें भी नम हो गईं। इस दोहरी दुखद घटना की खबर मिलते ही 'खेदूत कल्याण संगठन' के प्रेसिडेंट भरतभाई वाला मौके पर पहुंचे और सरकारी सिस्टम और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने गुस्से में कहा, 'यह कोई आम हादसा नहीं, बल्कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की सीधी हत्या है! बार-बार कहने के बाद भी बॉर्डर एरिया में पिंजरे नहीं लगाए जा रहे हैं। किसान और मजदूर अपनी जान जोखिम में डालकर दिन-रात खेतों में काम करते हैं, लेकिन सरकार को सिर्फ शेर और तेंदुओं के आंकड़े दिखाने में दिलचस्पी है। अगर इन आदमखोर तेंदुओं को तुरंत पिंजरे में बंद नहीं किया गया और मरने वालों के परिवारों को सही मुआवजा देकर इंसाफ नहीं मिला, तो किसान संगठन फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के ऑफिस में तालाबंदी करेंगे और उग्र आंदोलन करेंगे। ' आज सौराष्ट्र के किसान पूछ रहे हैं कि क्या इंसानी जान की कोई कीमत नहीं है? वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट उड़ाने वाला सिस्टम गांवों के गरीब परिवारों को सुरक्षा देने में पूरी तरह फेल रहा है। सावरकुंडला, महुवा और राजुला पंथकों में ऐसी घटनाएं हर दिन होती हैं, लेकिन सरकार अभी तक कोई पक्का हल नहीं निकाल पाई है। इस दोहरी मौत के बाद बांभणिया गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। वन विभाग अब पिंजरा लगाने का नाटक करेगा, लेकिन सवाल यह है .

अहमदाबाद में रथ यात्रा की शुभ शुरुआत पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भगवान महाप्रभु के दर्शन किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आषाढ़ी दूज के शुभ दिन पर पूरे देश में रथ यात्रा को लेकर बहुत उत्साह है, वहीं दुनिया के नाथ पारंपरिक भक्ति के साथ अहमदाबाद के ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में निकल पड़े हैं। हर साल की परंपरा के अनुसार इस शुभ अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद के जमालपुर में श्री जगन्नाथ मंदिर में सुबह-सुबह हुई भव्य मंगला आरती में शामिल हुए और भगवान महाप्रभु का आशीर्वाद लिया। भक्ति, आस्था और अलौकिक ऊर्जा से भरा यह पल वहां मौजूद सभी लोगों के लिए बहुत खास और दिल को छू लेने वाला बन रहा था।

परंपरा और आस्था का त्रिवेणी संगमः गृह मंत्री ने परिवारों के साथ पूजा-अर्चना की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हर साल रथ यात्रा के इस पवित्र दिन पर भगवान जगन्नाथ के मंदिर में माथा टेकने जरूर पहुंचते हैं। आज सुबह-

सुबह मंगला आरती के शुभ मौके पर उन्होंने भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्रजी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंगला आरती देखने के बाद होम मिनिस्टर ने भावुक होकर कहा, 'भक्ति और आस्था से भरा यह पल हमेशा एक दिव्य और खास एहसास देता है। '

देश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थनाः जय जगन्नाथ का जयघोष

महाप्रभु जगन्नाथजी के सामने सिर झुकाकर होम मिनिस्टर ने देश और गुजरात के लोगों के लिए शांति, तरक्की और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रार्थना की, 'भगवान जगन्नाथ पूरे ब्रह्मांड पर अपनी असीम कृपा और आशीर्वाद बरसाते रहें और सभी का कल्याण करें।' इस मौके पर पूरा मंदिर परिसर 'जय जगन्नाथ' और 'हरि बोल' के आसमान छूते नारों से गूंज उठा।

गुजरात पुलिस की आंखों में भ्रष्टाचार स्टूडेंट्स को पता है शराब कहां मिलेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गिर सोमनाथ। गिर सोमनाथ जिले से एक बहुत ही शर्मनाक और सनसनीखेज सवाल उठा है, जिसने गांधी के गुजरात में तथाकथित शराबबंदी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह सवाल सुनकर पूरे सिस्टम के अधिकारी जो कानून-व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे करते हैं, उनकी बोलती बंद हो सकती है! सवाल यह है कि जिस जिले में पढ़-लिखकर देश का भविष्य बनाने निकले आम स्टूडेंट्स को उंगलियों पर पता है कि हर गली में देसी और विदेशी शराब कहां मिलेगी, उसी जिले की हाई-टेक पुलिस को ये अड्डे क्यों नहीं दिखते? क्या यह गिर सोमनाथ जिला प्रशासन पूरी तरह फेल है, या पर्दे के पीछे चल रहा लाखों रुपये का 'हप्ता राज' है, जिसमें ऊपर से नीचे तक हर किसी से मुंह बंद रखने की कीमत वसूली जा रही है स्टूडेंट्स को 'लोकेशन' पता है, तो पुलिस अंधी और बहरी क्यों बनी हुई है आज गिर सोमनाथ जिले में हालात इतने बिगड़ गए हैं कि शराबी और शराब तस्कर बेलगाम हो गए हैं। आम युवा और स्टूडेंट भी स्कूल-कॉलेज जाते समय जानते हैं कि कौन सी डेली, कौन सा नाका या कौन सी वाड़ी शराब बेचती है। लेकिन जब कानून के रखवाले उस रास्ते से गुजरते हैं, तो उन्हें सब कुछ 'सब चंगा सी' दिखता है क्या पुलिस के मुखबिरों का नेटवर्क पूरी तरह बेकार हो गया है? या पुलिस खुद शराब तस्करों की 'रक्षक' बनी बैठी है? जब जनता सवाल पूछती है, तो खाकी वर्दी वाले तो छोटे-बड़े मोहरे पकड़कर ही खुश हो जाते हैं, लेकिन असली मगरमच्छ अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। यह गंभीर और चिंताजनक स्थिति अब गांधीनगर तक पहुंच गई है। गिर सोमनाथ के लोग अब CMO गुजरात और राज्य के होम मिनिस्टर हर्ष संघवी से तीखे सवाल पूछ रहे हैं आज गिर सोमनाथ भ्रष्ट बाबुओं और शराब तस्करों की मिलीभगत से नशे की खाई में जा रहा है।

पता करें कि मॉडर्न इंडिया में सवाल पूछना 'देशद्रोह' कैसे हो गया है और ताली बजाना ही सच्ची 'देशभक्ति' है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/नई दिल्ली। देश में सब कुछ 'परफेक्ट' चल रहा है। रामराज्य सचमुच धरती पर उतर आया है। देश में अब करप्शन जैसा कोई शब्द नहीं बचा, बेरोज़गारी और महंगाई शायद पुरानी बातें हो गई हैं। सड़कें इतनी मजबूत हैं कि यूरोप भी शर्मिंदा हो जाए। हमारे हेल्थ सिस्टम की पूरी दुनिया में मार पड़ रही है और दुनिया भर के देश और नेता प्रधानमंत्री के कहने पर ही अपना घर चलाते हैं! चारों दिशाओं में सिर्फ और सिर्फ डेवलपमेंट की ज़बरदस्त रफ़्तार है।

लेकिन, इस देश में कुछ 'इंटेलिजेंट' लोग ऐसे भी हैं जो सोने की धरती श्रीलंका जैसे देश में भी गलत सवाल उठाकर शांति भंग कर रहे हैं!

'सब चंगा सी ': सवाल पूछने वाला हर कोई गलत है!

अगर हमारे इस महान सिस्टम में कुछ भी गलत होता है, तो उसके लिए सरकार कभी ज़िम्मेदार नहीं हो सकती। क्योंकि सरकार पवित्र और मासूम है

खुदकुशी करने वाले स्टूडेंट्स ही दोषी हैं: अगर NEET जैसे आम एग्जाम के पेपर बार-बार लीक होते हैं, लाखों स्टूडेंट्स का भविष्य खतरे में पड़ता है और कुछ स्टूडेंट्स फ्रस्ट्रेशन में सुसाइड कर लेते हैं, तो गलती स्टूडेंट्स की है। शायद वे सरकार को बदनाम करने के लिए सुसाइड कर रहे हैं! विरोधी ही पेपर लीक करते हैंः अगर एग्जाम में कोई गड़बड़ी हुई

है, तो वह विपक्ष ने ही की होगी। जो बेरोज़गारी की बात करता है वह देशद्रोही है, जो महंगाई पर चिल्लाता है उसे इकोनॉमिक्स नहीं आती और जो हॉस्पिटल में गलती निकालते हैं, उन्होंने शायद प्राइवेट हॉस्पिटल की फाइव-स्टार फैसिलिटी नहीं देखी होंगी!

सोनम वांगचुक में भी 'अक्ल की कमी': देश के महान साइंटिस्ट सोनम वांगचुक, जो लद्दाख बॉर्डर पर कड़ाके की ठंड में भूख हड़ताल पर हैं, उनमें भी पूरी तरह से अक्ल की कमी है। जब देश में इतना डेवलपमेंट हो रहा है, तो क्या इतनी छोटी-छोटी बातों के लिए उपवास करना ज़रूरी है?

सब्र की सच्ची मिसालः हमारे आदरणीय शिक्षा मंत्री!

इस मुश्किल समय में अगर किसी की तारीफ़ करनी है, तो वह हमारे देश के शिक्षा मंत्री हैं। वे अद्भुत और बेमिसाल धैर्य की मिसाल हैं।

शांति से तमाशा देखने की अद्भुत कलाः देश भर में करोड़ों युवा न्याय के लिए सड़कों पर चिल्ला रहे हैं, और पेपर लीक की नदी बह रही है, फिर भी वे बिना विचलित हुए शांति से सब कुछ देख रहे हैं। क्या मंत्री की कोई ज़िम्मेदारी है? अरे भाई, पेपर लीक में बेचारे शिक्षा मंत्री का क्या दोष है? जब सब कुछ सुपर-परफेक्ट हो रहा है, तो जल्दबाजी में गलत काम करने की क्या ज़रूरत है? विरोधियों और विपक्ष को हमारे मंत्री से कुछ सीखना चाहिए जो इतनी शांति बनाए रखते हैं!

नई परिभाषाः जो ताली बजाए वह देशभक्त, जो सवाल पूछे वह देशद्रोही!

वह दिन दूर नहीं जब लोकतंत्र में शासकों से सवाल पूछना भी सबसे बड़ा अपराध और देशद्रोह माना जाएगा। आज के समय में सच्ची देशभक्ति यह नहीं है कि आप भ्रष्टाचार या पेपर लीक के खिलाफ आवाज़ उठाएं। सच्ची देशभक्ति तो यही है कि आप अपनी आँखें, कान और मुँह बंद करके अधिकारियों के खिलाफ़ ताली बजाएँ और ज़ोर से चिल्लाएँ, 'सब ठीक है... सब ठीक है! ' प्रदर्शन करने वालों में समझदारी की बहुत कमी है। अगर उनमें समझ होती, तो वे भी आँखें बंद करके कहते कि भारत विश्व गुरु बन गया है और यहाँ कोई समस्या नहीं है। अब जनता को तय करना है कि देश को बर्बाद करने वाले सवाल पूछने हैं या चेहरे पर नकली मुस्कान के साथ ताली बजानी है, चाहे उनके दिल में कितना भी दर्द हो!

भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत का भीनमाल दौराः गौसेवा, देव दर्शन के साथ संगठन की मजबूती पर हुआ सार्थक संवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत मंगलवार को भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन किए, गौसेवा की और स्थानीय कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें कर आगामी सांगठनिक व राजनीतिक विषयों पर गंभीर चर्चा की। दौरे की शुरुआत में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत पथमेड़ा की प्रसिद्ध नंदगांव गौशाला पहुंचे। वहां उन्होंने पूज्य संत दत्तशरणानंद महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अमावस्या के पावन अवसर पर डॉ. कुमावत ने गौशाला में विशेष रूप से गौसेवा की। इसके पश्चात उन्होंने क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी मां सुंधा माता के दरबार में पहुंचकर दर्शन-पूजन किए और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। दौरे के दौरान जसवंतपुरा पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष का माला व साफा पहनाकर गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया। इसके बाद वे भीनमाल में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री प्रकाश जांगू के निवास स्थान पर पहुंचे, जहां उनका आतिथ्य सत्कार किया गया। प्रकाश जांगू के निवास पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान डॉ. कुमावत ने उपस्थित संगठन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ विभिन्न राजनीतिक व सांगठनिक विषयों पर सार्थक संवाद किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेता और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से सांवलाराम देवासी (पूर्व प्रदेश मंत्री एवं अजमेर भाजपा संगठन प्रभारी),ओबाराम देवासी (ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष),बाबुलाल मेघवाल (एससी मोर्चा जालोर जिलाध्यक्ष) महेन्द्र सोलंकी (भाजपा जिला मंत्री),भरतसिंह (जिला मंत्री),प्रवीण दवे (नगर अध्यक्ष),शेखर व्यास (वरिष्ठ नेता),विकास सोलंकी (नगर महामंत्री) सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मंत्रों की गुन्ज के साथ लहराइ ध्वजा धर्मसभा के साथ महाआरती का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। ऊँ पुण्याहाम् पुण्याहाम् मंत्र गुन्ज के साथ गुरूवार सुबह 9.30 बजे महिदपुर मार्ग स्थित राजेन्द्रसूरी जैन दादावाड़ी में सातवी ध्वजारोहण का आयोजन साध्वीश्री भक्तिरसाश्रीजी मसा आदि ठाणा - 3 एवं साध्वीश्री अर्हमव्रताश्रीजी मसा आदि ठाणा - 4 की निश्रा में सम्पन्न हुआ। ध्वजारोहण कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 6.30 बजे भक्ताम्बर एवं गुरू चालीस के पाठ से हुई। सुबह 8 बजे श्वे. मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ की नवकारशी का आयोजन किया गया जिसका लाभ दादावाड़ी ट्रस्ट मंडल द्वारा लिया गया। सुबह 8.30 बजे महिदपुर मार्ग स्थित नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर से ध्वजा का चल समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान लाभार्थी परिवार की श्राविका मस्तक पर ध्वजा का धारण कर चल रही थी। सुबह 9.30 बजे जैसे लाभार्थी परिवार ने शिखर पर ध्वजा लहराइ उपस्थित श्रद्धालू खुशी से झुम उठे। ध्वजारोहण एवं आरती का लाभ राजमल, नरेन्द्र, अंकित नांदेचा औरा परिवार ने लिया। ध्वजारोहण का विधान श्रीसंघ मीडिया प्रभारी डॉ. विपिन वागरेचा ने करवाया। धर्मसभा सुबह 10 बजे दादावाड़ी परिसर में धर्मसभा की शुरूआत साध्वीश्री के मंगलाचरण से हुई। सामूहिक गुरूवंदन की प्रस्तुति श्रीसंघ के पूर्व अध्यक्ष हेमंत कांकरिया ने दी। धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वीश्री भक्तिरसाश्रीजी मसा ने कहा कि पुण्य से प्राप्त लक्ष्मी का सद्उपयोग करने से पुनः पुण्य का बंध होता है और आत्मा भव - भव के फेरों का नाश कर सिद्धपद को प्राप्त करती है। वही धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वीश्री अर्हमव्रताश्रीजी मसा ने कहा कि समय जो मिला है उसका सद्उपयोग करना चाहिए। यदि कोई काम कल पर टाल दिया तो निश्चित वह काम कभी भी पूरा होने वाला नहीं है। धर्मसभा के दौरान वार्षिक अष्ठप्रकारी पूजन के चढ़ावे का आयोजन किया गया। सर्वाधिक चढ़ावा फल पूजा का गया, जिसका लाभ पदमाबेन केशरीमल मेहता परिवार ने लिया। मुनिम बनने का लाभ दाखाबाई माणकलाल बोहरा, अखण्ड दिपक का लाभ मधुदेवी सुभाषचन्द्र नागदा परिवार ने लिया।

परमाण संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है।

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह ₹वर्ल्ड लीक्स₹ ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।
इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी।
हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज

कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।
फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है।
इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है।
देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है।
देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।
बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नोटों की खनक बनाम दिलों की धड़कन क्या पैसे की चमक में खो रही है

आज का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि इंसान ने पैसे को सिर्फ एक साधन नहीं, बल्कि अपना भगवान बना लिया है। रिश्तों की कीमत अब भावनाओं, त्याग और समर्पण से नहीं, बल्कि बैंक बैलेंस और संपत्तियों से तय होने लगी है। चंद रुपयों की खातिर बेटा पिता का सम्मान भूल रहा है, भाई भाई का विश्वास बेच रहा है और दोस्ती भी स्वार्थ के तराजू पर तौली जा रही है। ऐसा लगता है कि नोटों की खनक ने इंसानियत की अंदरूनी आवाज़ को पूरी तरह दबा दिया है।

साधन जब उद्देश्य बन जाए तो पतन निश्चित है

पैसा जीवन की बुनियादी आवश्यकता है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन जब पैसा जीवन की जरूरत न रहकर जीवन का एकमात्र उद्देश्य बन जाए, तो समाज का पतन तय है। आज लोग धन कमाने की अंधी दौड़ में इतने व्यस्त हैं कि उन्हें अपने बुजुर्ग माता-पिता के आंसू, परिवार की खुशियां और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां तक दिखाई नहीं देतीं। समाज में बढ़ता भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी और अपराध इसी असीम लालच की देन हैं। लोग कुछ लाख रुपये के लिए अपने ईमान, चरित्र और खून के रिश्तों तक का सौदा करने से नहीं हिचकते।

आलीशान मकान, लेकिन दिलों में खालीपन

इस आधुनिक युग की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि करोड़ों कमाने वाले भी आज मानसिक सुकून की तलाश में भटक रहे हैं। लोगों के पास आलीशान मकान हैं, महंगी गाड़ियां हैं और सुख-सुविधाओं के तमाम साधन हैं, लेकिन दिलों में वह पुराना अपनापन और शांति गायब है। जिस समाज में पैसे के लिए भाई भाई का दुश्मन बन जाए और बेटा अपने बूढ़े माता-पिता को बोझ समझने लगे, वहां भौतिक विकास तो हो सकता है, लेकिन नैतिक दिवालियापन भी उतनी ही तेजी से बढ़ता है।

सोच बदलने का समय: तिजोरी नहीं, कर्म साथ जाएंगे

अब समय आ गया है कि हम ठहरकर अपनी सोच बदलें। पैसा कमाना गलत नहीं है, खूब कमाइए, लेकिन उसे अपने विवेक का मालिक मत बनने दीजिए। धन से शानदार बेड खरीदा जा सकता है लेकिन नींद नहीं; धन से सुविधाएं खरीदी जा सकती हैं, लेकिन संस्कार, विश्वास, सम्मान और सच्चे रिश्ते कभी नहीं।

याद रखिए: अंत समय में हमारे साथ न तो कोई तिजोरी जाती है और न ही बैंक बैलेंस। हमारे साथ जाते हैं केवल हमारे अच्छे कर्म और लोगों के दिलों में छोड़ी गई हमारी पहचान। यदि हमें अपने समाज और आने वाली पीढ़ी को बचाना है, तो पैसे से पहले इंसानियत को महत्व देना होगा। यह शाश्वत सत्य है कि धन से बड़ा कोई रिश्ता नहीं होता, बल्कि रिश्तों से बड़ा कोई धन नहीं होता।

पत्रकार मुकेश सोलंकी भीनमाल(राज.)

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।
संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!
आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता 2369?भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

उमेश चतुर्वेदी

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है।
नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत

यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।
मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।
नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है।
इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा। बनारसी दास चतुर्वेदी जनपदीय भाषाओं को बढ़ावा देने के जरिए भाषायी लोकतंत्र की वकालत कर रहे थे। उन्हें पता था कि जनपदीय भाषाओं के आपसी संपर्क और संवाद के लिए हिंदी ही सहयोगी होगी। इसलिए वे जनपदीय भाषाओं के विस्तार के जरिए हिंदी को बढ़ावा दे रहे थे। नेपाल के हिंदी समर्थकों को भी आपसी भाषाओं के बीच कुछ उसी तरह सौहार्द को बढ़ावा देते हुए हिंदी के विकास की बात करनी होगी। इसी बहाने नेपाल में वे हिंदी को प्रतिष्ठापित करने में सफल हो सकेंगे।

ईश्वर का सही पता कहाँ है? साइंस और स्पिरिचुअलिटी का अद्भुत समन्वय

विज्ञान हमें बाहरी दुनिया के साधन देता है, लेकिन ज्ञान हमें आंतरिक शांति का मार्ग दिखाता है। पिछले अध्याय में हमने देखा कि मन को वश में रखकर 'आत्मसंयम' कैसे विकसित किया जाए। डिजिटल युग के डिस्ट्रैक्शंस के बीच भी खुद में स्थिर होना ही सच्चा योग है। लेकिन जब मन शांत होता है, तब भीतर से जिज्ञासा का एक नया दीपक जल उठता है

यह सृष्टि क्या है? भगवान कौन हैं? और वे कहाँ रहते हैं?

आज के मॉडर्न और लॉजिकल जमाने में हमें सब कुछ 'प्रूफ' (सबूत) के साथ चाहिए। हमें अंधविश्वास नहीं, लॉजिक चाहिए। अर्जुन की स्थिति भी कुछ ऐसी ही थी। इस साइंटिफिक माइंडसेट वाले अर्जुन को कृष्ण इस अध्याय में जो समझाते हैं, उसे आज हम 'कॉस्मिक साइंस' कह सकते हैं।

आध्यात्मिकता और विज्ञान: एक ही सिक्के के दो पहलू

हम अक्सर यह मान लेते हैं कि विज्ञान और धर्म एक-दूसरे के दुश्मन हैं। लेकिन कृष्ण साइंस के सबसे बड़े प्रोफेसर बनकर इस अध्याय में कहते हैं कि यह पूरी सृष्टि मेरी ही दो प्रकृतियों से बनी है:

1. अपरा प्रकृति (जड़ विज्ञान): पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि और अहंकार। इन आठ तत्वों से हमारा शरीर और यह पूरी भौतिक सृष्टि (Physical Universe) बनी है, जिसे आज के वैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं।

2. परा प्रकृति (चेतन तत्व - Consciousness). यह वह ऊर्जा (श्ठ्ठद्गह्द्द4) है जो पूरी सृष्टि को चलाती है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था न कि Energy can neither be created nor destroyed (ऊर्जा को न तो बनाया जा सकता है और न ही नष्ट किया जा सकता है)। वही अविनाशी ऊर्जा यानी

भगवान!

आईफोन का सटीक उदाहरण: आप महंगे से महंगा और लेटेस्ट आईफोन खरीदें। उसमें बेस्ट प्रोसेसर, कैमरा और स्क्रीन है, वह सब 'अपरा प्रकृति' (हार्डवेयर) है। लेकिन अगर उसमें 'सॉफ्टवेयर' या 'इंटरनेट कनेक्टिविटी' ही न हो, तो वह फोन सिर्फ एक पत्थर का टुकड़ा है। उस फोन को जीवंत करने वाला सॉफ्टवेयर यानी 'परा प्रकृति'। भगवान इस सृष्टि के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों के मेकर (निर्माता) हैं।

भगवान का सही पता कहाँ है?

कृष्ण मंदिरों में या आकाश के पार किसी सिंहासन पर ही नहीं बैठे हैं। वे प्रकृति के कण-कण में समाए हुए हैं। कृष्ण अर्जुन को अपना पता बताते हुए बहुत सटीक उदाहरण देते हैं:

'हे अर्जुन, मैं जल में रहने वाला स्वाद हूँ।

'मैं सूर्य और चंद्रमा में रहने वाला प्रकाश हूँ। '

'मैं आकाश में रहने वाला शब्द (ध्वनि)हूँ और मनुष्यों में रहने वाला सामर्थ्य हूँ। '

जिस तरह सोने के हार, चूड़ी या अंगूठी में मूल तत्व 'सोना' ही है, उसी तरह इस पूरी सृष्टि के अलग-अलग रूपों के पीछे छिपा हुआ एकमात्र सत्य 'परमात्मा' है।

जैसे धागे के बिना मोतियों की माला असंभव है, वैसे ही भगवान इस पूरे ब्रह्मांड को एक अदृश्य धागे की तरह जोड़कर रखते हैं।

गूगल मैप और भगवान के चार भक्त

आज के युग में हमें किसी अनजान रास्ते पर जाना हो तो हम गूगल मैप (Google Maps) का सहारा लेते हैं। कृष्ण कहते हैं कि मेरे पास आने वाले मुसाफिर (भक्त) चार प्रकार के होते हैं:

भक्त का प्रकार लक्षण और मानसिकता

आर्त (The Distressed) जब जीवन में कोई बड़ी मुसीबत या संकट आए तभी भगवान याद आएं (जैसे एग्जाम के समय या अस्पताल के बिस्तर पर)। माया का रिमोट कंट्रोलयह संसार एक बहुत बड़ी थ्री-डी (3D) गेम जैसा है, जिसे गीता में 'माया' कहा गया है। इस माया के तीन गुण हैं सत्व, रजस और तमस। इन तीन गुणों के प्रभाव में आकर हम लगातार सुख-दुःख, राग-द्वेष के चक्र में फंसे रहते हैं। जैसे कोई वेब सीरीज़ देखते समय हम इतने खो जाते हैं कि कैरेक्टर रोए तो हम भी रो पड़ते हैं, जबकि हकीकत में वह सिर्फ एक स्क्रीन है। बस, यही माया है! कृष्ण कहते हैं कि इस माया को पार करना बहुत कठिन है, लेकिन जो व्यक्ति अपना रिमोट कंट्रोल मुझे सौंप देता है (यानी शरणागति स्वीकार करता है), वह इस माया के भ्रम से मुक्त हो जाता है।

आज के युग के लिए लाइफ लेसन

अध्याय 7 हमें सिखाता है कि विज्ञान भले ही पदार्थ का अंत कर दे, लेकिन आध्यात्मिकता जीवन की शुरुआत करती है। रोज़मर्रा के व्यस्त शेड्यूल से कुछ मिनट निकालकर जब हम प्रकृति को निहारते हैं, किसी की सेवा में अपना सामर्थ्य लगाते हैं, तब हम कृष्ण के उसी 'ज्ञानविज्ञान' को जी रहे होते हैं।

(क्रमशः आगामी अध्याय 8 में हम समझेंगे 'अक्षरब्रह्म योग'- समय की गणना कैसे होती है? और जीवन की अंतिम ओवर में सिक्सर कैसे मारें?)

जंगल में जाकर ईश्वर को ढूँढ़ने की ज़रूरत नहीं है, आप जो काम कर रहे हैं यदि उसे पूरी ईमानदारी, कुशलता और सच्चाई से करते हैं, तो आप ईश्वर के सही पते पर ही खड़े हैं!

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर

इटावा की 'आशिकी' ने आशिक संग मिलकर पति को लगाया ठिकाने, एक गलती और पहुंचे हवालात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इटावा। यूपी के इटावा की आशिकी देवी ने अपने आशिक के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पत्नी ने पति के दूध में नशे की गोलियां मिलाकर खिलाई, जिसके बाद पति बेहोश हो गया। बेहोश होने पर पत्नी और प्रेमी के साथ मिलकर पति का गला घोंटकर हत्या कर दी। पत्नी ने पति की मौत को सुसाइड दिखाने की कोशिश की। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का सच सामने आ गया। पुलिस ने पत्नी से सख्ती से पूछताछ की तो सारा सच सामने आ गया। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर जुर्म कबूल लिया। वारदात के बाद बाहर जाते वक्त शिवम कमरे का दरवाजा बाहर से लॉक कर गया। यहीं से पुलिस को शक हुआ और पूरा मामला खुल गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

बॉयफ्रेंड शिवम के साथ मिलकर की हत्या

इटावा जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के तोडा गांव में 12 जुलाई की रात 35 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर आनंद उर्फ महबूब राजपूत की गला घोंटकर हत्या की गई। पुलिस के अनुसार प्रॉपर्टी डीलर आनंद की हत्या उसकी पत्नी आशिकी देवी ने अपने बॉयफ्रेंड शिवम राजपूत के साथ मिलकर की। हत्या से पहले आशिकी ने पति आनंद को दूध में नशे की गोलियां मिलाकर खिलाई थी। कुछ समय पहले आनंद ने अपनी पत्नी को पड़ोसी शिवम के साथ देखा था। आशिकी ने खुद को बेकसूर बताते हुए शिवम पर छेड़छाड का आरोप लगाया और शिवम को पुलिस ने जेल भेज दिया। जून के शुरूआत में शिवम जेल से बाहर आया और आशिकी से साथ फिर से इश्क करने लगा। दोनों ने आनंद को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया। 12 जुलाई की रात आशिकी ने पति को रात के दूध में नशे की गोलियां मिलाकर दी। बेहोश होने पर आशिकी और शिवम ने मिलकर उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद बाहर जाते वक्त शिवम कमरे का दरवाजा बाहर से लॉक कर गया।

36 साल पुराने मामले में पूर्व MLC बृजेश सिंह को कोर्ट ने किया बरी

गाजीपुर देवकली पंप कैनाल लूटकांड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजीपुर। करीब 36 साल पुराने देवकली पंप कैनाल लूटकांड में पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह को बड़ी कानूनी राहत मिली है। गाजीपुर की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) नूतन द्विवेदी की अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के परीक्षण के बाद बृजेश सिंह को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। यह मामला 3 दिसंबर 1990 का है, जिसमें फायरिंग, मारपीट और लूटपाट के आरोप लगाए गए थे।

1990 में दर्ज हुआ था मामला

यह मामला गाजीपुर के सैदपुर थाना क्षेत्र स्थित देवकली पंप कैनाल निर्माण कार्य के दौरान हुई घटना से जुड़ा है। अभियोजन के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान बृजेश सिंह अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट, फायरिंग तथा लूटपाट की। इस संबंध में मुकदमा मुख्तार अंसारी पक्ष की ओर से दर्ज कराया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध गवाहों और साक्ष्यों का परीक्षण किया। इसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) नूतन द्विवेदी की अदालत ने बृजेश सिंह के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं पाए और उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

दो अन्य आरोपियों का मामला हाईकोर्ट में लंबित

इस मुकदमे में बृजेश सिंह के अलावा त्रिभुवन सिंह और विजय नारायण (विजय शंकर) सिंह भी नामजद थे। हालांकि, इन दोनों आरोपियों की पत्रावली पहले ही अलग कर दी गई थी। उनके मामलों को लेकर दायर निगरानी याचिका फिलहाल हाईकोर्ट में विचाराधीन है। बृजेश सिंह के अधिवक्ता अशोक राय ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को आरोपी बनाया गया था। बृजेश सिंह के खिलाफ चल रही कार्यवाही एमपी-एमएलए कोर्ट के दायरे में थी। अदालत ने सभी उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद उन्हें दोषमुक्त कर दिया। वहीं, अन्य दो आरोपियों से संबंधित प्रकरण अभी हाईकोर्ट में लंबित है।

MP पुलिस का गजब कारनामा, भोपाल में चेकिंग के नाम पर रोकी स्कूटी, फिर चाबी खुद चोर को दे दी

सेंट्रल लाइब्रेरी चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान एक स्कूटी गायब होने का मामला सामने आया है. शिकायतकर्ता नदीम आलम का आरोप है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस की कथित लापरवाही का मामला सामने आया है. आरोप है कि चेकिंग के दौरान पुलिस की निगरानी में खड़ी एक स्कूटी को एक अज्ञात युवक लेकर फरार हो गया. शिकायतकर्ता का दावा है कि स्कूटी की चाबी पुलिस के पास थी और कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी ने वही चाबी अज्ञात युवक को सौंप दी. इस पूरे घटनाक्रम के सामने आने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. पीड़ित ने मामले की शिकायत भोपाल पुलिस कमिश्नर से करते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है. जानकारी के अनुसार, घटना 13 जुलाई की रात करीब 8 बजे भोपाल के सेंट्रल लाइब्रेरी चौराहे पर हुई. शिकायतकर्ता नदीम आलम का आरोप है कि वाहन चेकिंग के दौरान ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनकी सुजुकी बर्गमैन स्कूटी को रोक लिया था. उनका कहना है कि जांच के दौरान पुलिसकर्मियों ने स्कूटी की चाबी अपने पास रख ली थी और वाहन वहीं खड़ा था. शिकायतकर्ता का आरोप है कि कुछ देर बाद वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी ने कथित तौर पर वही चाबी एक अज्ञात युवक को दे दी. आरोप है कि युवक ने बिना किसी रोक-टोक के स्कूटी स्टार्ट की और मौके से फरार हो गया. नदीम आलम के मुताबिक, जब उन्होंने पुलिसकर्मियों से अपनी स्कूटी वापस मांगी, तब उन्हें पता चला कि वाहन वहां से गायब हो

चुका है. उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला. पीड़ित का कहना है कि यदि स्कूटी की चाबी पुलिस के कब्जे में थी, तो वाहन किसी दूसरे व्यक्ति के हाथ कैसे लग गया और वह वहां से कैसे निकल गया. घटना के बाद नदीम आलम ने पूरे मामले की शिकायत भोपाल पुलिस कमिश्नर से की है. उन्होंने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उनकी स्कूटी जल्द से जल्द बरामद की जाए. शिकायतकर्ता का दावा है कि सेंट्रल लाइब्रेरी चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है. उनका कहना है कि यदि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए तो पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सकती है. इस मामले के सामने आने के बाद वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस की जिम्मेदारी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं. यदि शिकायतकर्ता के आरोप जांच में सही पाए जाते हैं, तो यह ड्यूटी के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला माना जा सकता है. फिलहाल इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. अब जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शिकायत में लगाए गए आरोप कितने सही हैं और घटना के लिए कौन जिम्मेदार है.

1500 CCTV फुटेज, 100 संदिग्धों से पूछताछ ऐसे सुलझी भोपाल की ब्लाइंड डबल मर्डर मिस्ट्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के चर्चित ऐशबाग डबल मर्डर केस का पुलिस ने 20 दिन की तफ्तीश के बाद सनसनीखेज खुलासा किया है. बुजुर्ग दंपत्ति हेमंत और शकुंतला फिलेमोन की हत्या के पीछे करोड़ों रुपए की संपत्ति हड़पने की साजिश सामने आई है. पुलिस ने इस मामले में दो सगे भाइयों, श्रीकांत चिचलिया और शशीकांत चिचलिया को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि दोनों ने पहले धोखाधड़ी से दंपत्ति के मकान का गिफ्ट डीड अपने नाम कराया और फिर संपत्ति पर पूरी तरह कब्जा करने के लिए उनकी हत्या कर दी. ये मामला ऐशबाग थाना क्षेत्र के ओल्ड सुभाष नगर स्थित बी-35/2 मकान का है. मकान की पहली मंजिल पर हेमंत और उनकी पत्नी शकुंतला फिलेमोन रहते थे. कई दिनों तक दोनों दिखाई नहीं दिए. इसी दौरान घर से तेज बदबू आने लगी. दूसरी मंजिल पर रहने वाले किरायेदार ने डायल-112 और पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची तो हेमंत का शव बेड पर और शकुंतला का शव ड्रॉइंग रूम के सोफे पर पड़ा मिला. घटनास्थल से कारतूस के खोखे, बुलेट और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले. एफएसएल टीम ने मौके से सभी वैज्ञानिक साक्ष्य जब्त कर जांच शुरू कर दी. इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष

जांच दल का गठन किया. करीब 20 पुलिस टीमों को जांच में लगाया गया. पुलिस ने 1500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली. 100 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ की गई. जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड लोकेशन, डिजिटल साक्ष्य और मुखबिरों से मिली जानकारी का मिलान किया गया. कई जिलों में दबिश देकर संदिग्धों की तलाश की गई. लगातार 20 दिन तक चली जांच के बाद पुलिस को अहम सुराग मिले. पुलिस जांच में सामने आया कि श्रीकांत और शशीकांत चिचलिया ने धोखाधड़ी से बुजुर्ग दंपत्ति के करोड़ों रुपए के मकान की गिफ्ट डीड अपने नाम करवा ली थी. आरोपियों को लगा कि दंपत्ति की स्वाभाविक मौत के बाद संपत्ति पूरी तरह उनकी हो जाएगी. यह मामला तब बदल गया जब उन्हें पता चला कि दंपत्ति ने अपने मकान का सौदा तय कर लिया है. आरोपियों को लगा कि करोड़ों रुपए की यह संपत्ति उनके हाथ से निकल जाएगी. इसके बाद दोनों भाइयों ने योजनाबद्ध तरीके से हेमंत और शकुंतला की हत्या कर दी. पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि इस पूरे षड्यंत्र में और कौन-कौन लोग शामिल थे. पुलिस के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में दोनों आरोपियों ने जांच को भटकाने की कोशिश की थी. हालांकि, फोरेंसिक रिपोर्ट, तकनीकी साक्ष्य और डिजिटल सबूतों के सामने उनकी कहानी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी. पुलिस ने जब वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर सख्ती से पूछताछ की तो दोनों भाइयों ने हत्या की साजिश रचने और वारदात को अंजाम देने की बात कबूल कर ली. इस मामले की संवेदनशीलता और आरोपियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी को देखते हुए मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था. अब दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने भोपाल के इस चर्चित ब्लाइंड डबल मर्डर केस का खुलासा कर दिया है. पुलिस पूरे मामले में आगे की जांच कर रही है, ताकि हर पहलू सामने आए.

ईसाई धर्म नहीं अपनाने पर स्कूल ने नौकरी से निकाला पूर्व कर्मचारी के आरोपों पर हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। विश्व हिंदू परिषद ने जबलपुर स्थित कैथोलिक स्कूल के बाहर हंगामा किया है। वीएचपी ने स्कूल में धर्मांतरण का आरोप लगाया है। कुछ ही देर में यह प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि स्कूल की इमारत पर पत्थर फेंके गए हैं। इसमें खिड़कियों के शीशे टूट गए। पुलिसकर्मियों के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प हुई है। कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए वहां पुलिस बल की तैनाती की गई है।

मिशनरी द्वारा संचालित है स्कूल

जबलपुर पुलिस के अनुसार माधोताल इलाके में मिशनरी द्वारा चलाए जा रहे स्कूल के बाहर वीएचपी और बजरंग दल के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हुए थे। आरोप था कि स्कूल के कर्मचारियों पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव

बनाया जा रहा है। स्कूल के बाहर प्रदर्शनकारी नारेबाजी कर रहे थे। साथ ही पत्थर भी फेंके हैं। इससे बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है। इस प्रदर्शन में महिलाएं भी शामिल थीं। वहीं, प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया है। इस दौरान झड़प की स्थिति भी उत्पन्न हुई। मौके पर पुलिस ने अतिरिक्त बल भी भेजा। बाद में स्थिति को नियंत्रित किया गया। पुलिस को देख बदल गए आरोपी के सुर, कहने लगा हिंदुस्तान जिंदाबा इस विवाद की शुरुआत स्कूल के एक पूर्व कर्मचारी के आरोप से हुआ। उसने दावा किया था कि उसे बार-बार चर्च जाने और ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया था। उसने आरोप लगाया कि धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर उसकी नौकरी खत्म कर दी गई। हिंदू संगठनों ने इन आरोपों पर निष्पक्ष जांच की मांग और दोषी लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आरोप लगाया है कि शिक्षा और रोजगार देने के बहाने कर्मचारियों को धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसी शिकायतें मिली थीं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जबलपुर पुलिस ने कहा कि स्कूल कर्मचारियों से जुड़े धर्म परिवर्तन के आरोपों की जांच जिला शिक्षा अधिकारी की देखरेख में गठित एक समिति पहले ही पूरी कर चुकी है। आगे की कार्रवाई उस रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर की जाएगी। मीडिया से बात करते हुए सीएसपी सोनू कुर्मी ने कहा कि पूरी घटना की वीडियोग्राफी की गई है। आगे की कार्रवाई जांच के नतीजों पर निर्भर करेगी।

मां बगलामुखी मंदिर के चढ़ावे में कोई गड़बड़ी नहीं, जांच टीम ने सौंपी रिपोर्ट, सोना-चांदी और कैश को लेकर कलेक्टर का बड़ा फैसला

जांच रिपोर्ट के बाद आगर मालवा जिला प्रशासन का बड़ा फैसला सोना-चांदी और नकदी शासकीय समिति को सौंपी जाएगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगर मालवा। विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में दान संग्रह को लेकर विवादों में रही अशासकीय समिति की जांच पूरी होने के बाद प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। कलेक्टर प्रीति यादव द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में समिति के कार्यों में किसी प्रकार की आर्थिक अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी नहीं पाई है। हालांकि समिति का संचालन नियमों के अनुरूप नहीं होने के कारण उसे अब मंदिर परिसर में सक्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कलेक्टर प्रीति यादव ने बताया कि जांच दल ने समिति के बैंक खातों, लॉकर और अभिलेखों की जांच के साथ समिति सदस्यों से भी चर्चा की। रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता सामने नहीं आई, लेकिन मंदिर परिसर में इस प्रकार की अशासकीय समिति का संचालन नियम विरुद्ध पाया गया। इसलिए समिति के पास जमा समस्त नकद राशि, 29 किलोग्राम चांदी और 105 ग्राम सोना मंदिर की शासकीय प्रबंध समिति को सौंपा जाएगा। यह राशि और आभूषण शासकीय खाते एवं लॉकर में

सुरक्षित रखे जाएंगे।

दान व्यवस्था होगी पूरी तरह पारदर्शी

जांच रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने मंदिर में दान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने का निर्णय लिया है। मंदिर में आने वाले प्रत्येक दान की निगरानी की जाएगी तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया दान केवल मंदिर विकास और मां की सेवा में ही उपयोग हो। मंदिर प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में मंदिर के नाम पर किसी भी प्रकार की समानांतर व्यवस्था संचालित न होने पाए। प्रशासन श्रद्धालुओं को भी जागरूक करेगा ताकि उनका दान गलत हाथों में न पहुंचे। मंदिर परिसर में प्रचार-प्रसार के माध्यम से बताया जाएगा कि दान केवल अधिकृत दान पात्र या मंदिर समिति कार्यालय में रसीद प्राप्त कर ही करें। मंदिर कर्मचारियों को भी सक्रिय भूमिका दी जाएगी, जो दान देने वाले श्रद्धालुओं को तत्काल रसीद उपलब्ध कराने और व्यवस्था की निगरानी करेंगे। जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 में गठित इस अशासकीय समिति द्वारा मंदिर परिसर में रसीद काउंटर लगाकर नकद राशि, सोना और चांदी का संग्रह किया जा रहा था। समिति की रसीदों पर पंजीयन क्रमांक, बैंक खाते का विवरण और मोबाइल नंबर भी अंकित थे। इसी व्यवस्था को लेकर शिकायतें मिलने के बाद प्रशासन ने जांच कराई थी। कलेक्टर प्रीति यादव ने कहा कि जिले में पदस्थापना के दौरान उन्हें मां बगलामुखी की सेवा का अवसर मिला है। प्रयास है कि मंदिर का विकास हो और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर एवं पारदर्शी व्यवस्था मिले। उन्होंने कहा कि जांच में वित्तीय गड़बड़ी नहीं मिली है, लेकिन भविष्य में दान व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत हो।

यूपी के बस्ती में पांच बच्चों की मां 3 बच्चों के बाप संग फरार पति बोला- घर से जेवरात और कैश भी ले गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में अजीब कहानी सामने आई है. यहां पांच बच्चों की मां तीन बच्चों के पिता के साथ फरार हो गई. महिला के पति का आरोप है कि जिस व्यक्ति के साथ पत्नी गई है, वह अब जान से मारने की धमकी दे रहा है. वहीं पत्नी घर से कैश और जेवरात भी ले गई है. पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी. यह पूरा मामला बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के गांव का है. यहां रहने वाले व्यक्ति ने इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की है. उसका कहना है कि 12 जुलाई को उसकी पत्नी घर से गायब हो गई. जब उसने घर में देखा तो करीब 50 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और जेवरात भी गायब थे. इसके बाद उसने अपने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला. फिर पता किया तो सामने आया कि पत्नी गांव के रहने वाले संजय के साथ चली गई है. इसके बाद वह पुलिस के पास थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई. महिला के पति का कहना है कि उसकी पत्नी और संजय के बीच काफी समय से प्रेम संबंध चल रहा था. इसकी चर्चा गांव में भी होती रहती थी. पति का आरोप है कि अब संजय उसे फोन पर जान से मारने की धमकी भी दे रहा है. संजय भी शादीशुदा है, उसके तीन बच्चे हैं. महिला के पति ने कहा कि उसकी पत्नी को वापस दिलाया जाए, इसी के साथ संजय के खिलाफ कार्रवाई की जाए. महिला के पति की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. इस मामले को लेकर लालगंज थाना प्रभारी ने फोन पर बताया है कि प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है, जिसमें तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है. इसकी जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.यूपी के बस्ती में पांच बच्चों की मां 3 बच्चों के बाप संग फरार... पति बोला- घर से जेवरात और कैश भी ले गइ गांव के ही एक व्यक्ति के साथ घर छोड़कर चली गई. पति का कहना है.

श्रीकृष्ण को 'नमाजी' बताने वाले मौलाना जरजिश पर भड़के साधु-संत, बोले- उसे तुरंत पाकिस्तान भेजा जाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा निवासी मौलाना जरजिश अंसारी के एक बयान से बवाल मच गया. अंसारी ने झारखंड में 23 जून को एक तकरीर के दौरान भगवान श्रीकृष्ण को मुस्लिम बता डाला और भगवद गीता के श्लोक का गलत अर्थ निकालकर उन्हें पांच वक्त का नमाजी कह दिया था. सोशल मीडिया पर इस वायरल वीडियो के विरोध में ब्रज के साधु-संतों, हिंदू संगठनों और भाजपा नेताओं ने तीखा आक्रोश व्यक्त किया. श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य संतों ने इस बयान को हिंदू आस्था के साथ गंभीर खिलवाड़ बताया. सनातन धर्मियों की भावनाओं को आहत करने वाले इस निंदनीय कृत्य के विरोध में प्रदर्शन कर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की जा रही है.

बयान को बताया हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह ने मौलाना जरजिश के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हिंदू समाज की आस्था पर सीधा आघात है. उन्होंने स्पष्ट किया कि इस्लाम का इतिहास जहां 1400 साल पुराना है, वहीं भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य 5000 वर्ष पहले हुआ था. महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मौलाना को भगवद गीता और उसके श्लोकों की कोई जानकारी नहीं है. इस बेहद गलत और विवादित बयान के लिए मौलाना जरजिश को पूरे हिंदू समाज से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए. श्री कृष्ण जन्म संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने मौलाना पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 5000 वर्ष पहले अवतरित हुए थे और मौलाना के पूर्वज भी सनातनी थे. भगवान के बारे में ऐसा गलत बयान देने वालों को तुरंत पाकिस्तान भेज दिया जाना चाहिए. साध्वी इंदुलेखा ने भी इस मांग का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले ऐसे तत्वों को देश में रहने का कोई अधिकार नहीं है. वहीं अनमोल दास जी महाराज ने भी निंदा करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की. इस पूरे मामले पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मनीष शुक्ला ने भी मौलाना जरजिश अंसारी पर कड़ा कटाक्ष किया है.

बुलंदशहर में ऑनड्यूटी सिपाही ने खुद को गोली मार की आत्महत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के औरंगाबाद थाना क्षेत्र में पुलिस विभाग को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। फैंटम ड्यूटी पर तैनात 2025 बैच के आरक्षी सुधीर ठाकुर ने सरकारी रायफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इस बीच, घटना से पहले रिकॉर्ड की गई एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें सिपाही ने नौकरी और जिंदगी से 'त्यागपत्र' देने की बात कहते हुए वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रताड़ना और बीमारी के बावजूद छुट्टी नहीं देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

वायरल ऑडियो में लगाए प्रताड़ना के आरोप

घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो रही ऑडियो में सिपाही सुधीर ठाकुर कहते सुनाई दे रहे हैं, 'मैं नौकरी और जिंदगी से त्यागपत्र दे रहा हूं।' ऑडियो में उन्होंने थाना प्रभारी राहुल चौधरी, मुंशी अंकित गुर्जर और एक अन्य सिपाही पर मानसिक प्रताड़ना देने तथा पेट में दर्द की शिकायत के बावजूद छुट्टी नहीं देने का आरोप लगाया है।

समझाने की कोशिश, लेकिन नहीं माने

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना से पहले मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने सुधीर ठाकुर को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने सरकारी रायफल से खुद को गोली मार ली। गोली लगते ही उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सिपाही की मौत के बाद उनके पिता ने सरकार से परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी देने की मांग की है। उनका कहना है कि उनके छोटे बेटे को नौकरी देकर परिवार को सहारा दिया जाए एसपी सिटी अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया कि थाना औरंगाबाद से जुड़े वायरल ऑडियो और आरक्षी द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल संज्ञान लिया है।

दिल्ली में SIR के लिए 8 अगस्त तक का वक्त, अब तक मिले 30 हजार से ज्यादा मृत और 1.20 लाख शिफ्टेड वोटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने दिल्ली में चल रहे मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कार्यक्रम की तारीखों में बड़ा बदलाव किया है। स्ट्रक्र की प्रक्रिया राजधानी में 10 दिन और चलेगी। पहले प्रक्रिया 29 जुलाई को समाप्त हो रही थी। अब 8 अगस्त तक जारी रहेगी। इससे पहले हरियाणा में भी 10 दिन की अवधि बढ़ाई गई थी। सूत्रों की मानें तो दिल्ली चुनाव आयोग ने भी दो दिन पहले तिथि बढ़ाने की गुजारिश की थी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने गुजारिश को मान लिया। 30 जून से राजधानी में स्ट्रक्रकी प्रक्रिया शुरू हुई थी। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं के सत्यापन और फॉर्म बांटने और कलेक्ट करने का काम 29 जुलाई को खत्म होने वाला था। आयोग ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि छूटे हुए मतदाताओं को अपना नाम जुड़वाने का पूरा मौका मिल सके और कोई भी पात्र नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहें। नए शेड्यूल के तहत, घर-घर जाकर सत्यापन का काम अब 8 अगस्त तक चलेगा। इसके साथ ही मतदान केंद्रों के पुनर्गठन और उनके रेशनलाइजेशन का काम भी 8 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद 17 अगस्त 2026 को मतदाता सूची का पहला मसौदा जारी किया जाएगा। पहले ड्राफ्ट रोल 5 अगस्त को जारी किया जाना था। यदि किसी व्यक्ति को वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाना है या किसी भी तरह का सुधार कराना है, तो वे 17 अगस्त से 16 सितंबर के बीच अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। पहले दावे और आपत्तियां 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दिए जा सकते थे। लोगों से मिलने वाले इन सभी आवेदनों की जांच और उनका निपटारा करने के लिए निर्वाचन अधिकारियों को 17 अगस्त से 15 अक्टूबर तक का समय दिया गया है। राजधानी में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के तहत एन्यूमरेषन फॉर्म बांटने का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके साथ ही वोटर्स के डेटा को कंप्यूटर पर अपलोड करने का काम भी जारी है। शुरुआती आंकड़ों में वोटर लिस्ट की छटनी की तस्वीर भी सामने आने लगी है। अब तक चुनाव आयोग को 30,907 ऐसे वोटर मिले हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। सबसे बड़ी संख्या शिफ्टेड वोटर्स की है।

अंधेरी वेस्ट में घरेलू विवाद में पति ने पत्नी का गला रेता, पत्थर से हमला कर उतारा मौत के घाट

पुलिस के मुताबिक, मृतक महिला की पहचान झुमरी के रूप में हुई है। इस मामले में उसके पति धीरज पवार को गिरफ्तार किया गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अंधेरी (पश्चिम) के ओशिवारा स्थित आदर्श नगर इलाके में घरेलू विवाद में 30 वर्षीय एक महिला की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक महिला की पहचान झुमरी के रूप में हुई है। इस मामले में उसके पति धीरज पवार को गिरफ्तार किया गया है। धीरज के खिलाफ कथित तौर पर झुमरी पर पहले बड़े पत्थर से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने और फिर चाकू से उसकी गला रेतकर हत्या कर देने का आरोप है। बता दें कि मंगलवार शाम घटी यह वारदात ओशिवारा पुलिस स्टेशन से महज 100 मीटर की दूरी पर इन्फिनिटी मॉल ट्रैफिक सिग्नल के पास हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि धीरज पवार और उसकी पत्नी झुमरी मूल रूप से महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रहने वाले थे। दोनों रोजगार के लिए अक्सर मुंबई

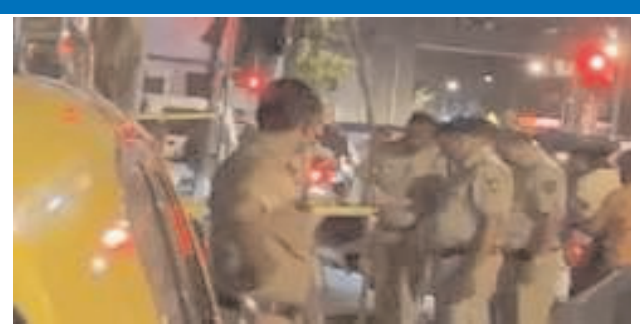

आते-जाते थे। उनके तीन बच्चे, एक बेटा और दो बेटियां हैं। तीनों अमरावती में रहते हैं। पवार दंपति सोमवार को काम के सिलसिले में मुंबई पहुंचे थे। परिवार में पहले से ही विवाद चल रहा था। मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे आदर्श नगर में दोनों के बीच फिर से कहासुनी शुरू हो गई।

चाकू से गला रेत दिया

आरोप है कि बहस के दौरान धीरज ने गुस्से में आकर सड़क किनारे पड़ा एक बड़ा पत्थर उठाकर झुमरी पर हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ी। इसके बाद उसने चाकू से उसका गला रेत दिया और मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों की सूचना पर ओशिवरा पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और झुमरी को कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया और कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर हत्या करना स्वीकार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच जारी है।

हत्या की वजह क्या?

डीसीपी पुरूषोत्तम कराड ने कहा कि शुरुआती जांच में हत्या की वजह घरेलू विवाद सामने आई है। हालांकि, वारदात के पीछे कोई अन्य कारण तो नहीं था, इसकी भी सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर घटना की जांच जारी है। आरोपी को पुलिस हिरासत मिली है।

650 करोड़ का दवा घोटाला: AAP का दावा; पूर्व DGHS सरकारी गवाह बनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 650 करोड़ रुपये के कथित दवा और चिकित्सा उपकरण खरीद घोटाले के आरोपी राजीव अरोड़ा उर्फ राजीव रंगीला की तलाश में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने कार्रवाई तेज कर दी है। जांच एजेंसी की टीमें लगातार उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि उसकी गिरफ्तारी से दवा खरीद प्रक्रिया, टेंडर सिस्टम और वेंडर नेटवर्क से जुड़े कई अहम राज सामने आ सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान एसीबी ने दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, देहरादून और उत्तराखंड के अन्य संभावित ठिकानों पर भी दबिश दी है। जांच एजेंसियों के अनुसार, राजीव रंगीला को पूछताछ के लिए कई बार नोटिस भेजे गए थे, लेकिन वह एक भी बार जांच में शामिल नहीं हुआ। इसके बाद एसीबी ने संभावित ठिकानों और करीबी लोगों के यहां भी तलाशी ली। जांच में सहयोग नहीं करने के चलते राजीव रंगीला के खिलाफ पहले ही गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) और लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किए जा चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि एजेंसियां आरोपी के कारोबारी नेटवर्क, वित्तीय लेनदेन और दवा खरीद से जुड़े दस्तावेजों की भी पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि आरोपी की गिरफ्तारी होने पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि खरीद प्रक्रिया में किन-किन लोगों और कंपनियों की क्या भूमिका रही और कथित घोटाले का पूरा नेटवर्क कैसे संचालित किया गया। सूत्रों के मुताबिक दवा खरीद घोटाले में गिरफ्तार स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल द्वारा जांच एजेंसियों के समक्ष साक्ष्य देने की सहमति जताने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई है।

सुप्रिया सुले के बाद अब संजय राउत का भी यू टर्न, परिसीमन बिल पर मोदी सरकार को सपोर्ट के दिए संकेत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। लोकसभा में परिसीमन बिल पास कराने में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को एक तगड़ा सपोर्ट मिला है. केंद्र की नीतियों का प्रखर विरोध करने वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी परिसीमन बिल का सपोर्ट कर सकती है. गुरुवार को उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां प्रस्तावित परिसीमन बिल का विरोध करेंगी, लेकिन अगर सरकार उनके सुझाए गए संशोधनों को शामिल करती है, तो वे समर्थन देने पर विचार कर सकते हैं. बुधवार को NCP SP की नेता सुप्रिया सुले ने भी कहा था कि सरकार अगर उनकी मांग मानती है तो उनकी पार्टी इस बिल का लोकसभा में समर्थन कर सकती है. सुप्रिया सुले के बाद संजय राउत की ओर से भी परिसीमन बिल पर पॉजिटिव बयान आया है. संजय राउत नागपुर में पत्रकारों से बात कर रहे थे. शनिवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी के खिलाफ सेना का 'राम रक्षा आंदोलन' होने वाला है, उसी के सिलसिले में वे यह बात कह रहे थे. खास बात यह है कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने बुधवार को कहा कि अगर परिसीमन बिल जो NDA सरकार का एक अहम विधायी एजेंडा है - सभी राज्यों में सीटों में एक समान 50 प्रतिशत बढ़ोतरी पर आधारित है, तो 'इसका विरोध करने का कोई खास कारण नहीं होगा.' हालांकि, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे प्रस्ताव का समर्थन करने का कोई भी फ़ैसला विपक्षी INDIA गठबंधन के भीतर चर्चा के बाद ही लिया जाएगा. सरकार संसद के मॉनसून सत्र में, जो 20 जुलाई से शुरू हो रहा है, संविधान (131वां संशोधन) बिल लाने जा रही है. इस बिल में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने और परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने का प्रस्ताव है.

परिसीमन बिल पर सपोर्ट पर विचार करेंगे

सुले की टिप्पणियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में राउत ने कहा कि अभी इस बारे में कोई फ़ैसला नहीं हुआ है कि यह बिल इस सत्र में पेश किया जाएगा या नहीं. 'जब बिल आएगा, तो हम सब बैठकर फ़ैसला करेंगे और आगे क्या करना है, इस पर सामूहिक निर्णय लिया जाएगा. उन्होंने कहा, 'लेकिन आज आप जो खबरें फैला रहे हैं कि पार्टी में टूट होगी और बहुमत दिखाने के लिए विधायकों और सांसदों को तोड़ा जाएगा, वगैरह-वगैरह, इन बातों का कोई आधार नहीं है. राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने आगे कहा कि वे परिसीमन बिल का विरोध करेंगे, लेकिन अगर उनके सुझावों के अनुसार इसमें ज़रूरी संशोधन किए जाते हैं.

कचरे के ढेर में बदला मुंबई का जुहू बीच 10 दिनों में हटाया गया 1800 टन कचरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मशहूर जुहू बीच कचरे के ढेर में तब्दील हो गया है. इस समय जुहू बीच पर जाने वाले लोग देख सकते हैं कि बृहन्मुंबई नगर निगम के कर्मचारी मशीनों की मदद से कचरे के बड़े-बड़े ढेरों को हटाने में जुटे हैं. BMC ने बताया कि जुलाई के पहले हफ्ते में मुंबई में हुई भारी बारिश की वजह से जुहू बीच पर इतनी गंदगी हो गई. यहां शुरुआती दिनों में ही 1,000 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई थी. बीएमसी ने कहा, 'छोटे नालों और प्राकृतिक जलमार्गों से बहकर आया तैरता हुआ कचरा भारी मात्रा में अरब सागर में चला गया था. अब ज्वार की लहरें इस कचरे को वापस तट की ओर ला रही हैं. करीब 7 किलोमीटर लंबा जुहू बीच में इस समय हर दिन लगभग 350 मीट्रिक टन कचरा जा रहा है.' बीएमसी के मुताबिक,'इन अभूतपूर्व हालात के बावजूद, बीएमसी लगातार बीच की सफाई का अभियान चला रही है. हम हर दिन लगभग 180 मीट्रिक टन कचरा साफ कर रहे हैं. पिछले दस दिनों में ही बीच से लगभग 1,800

मीट्रिक टन कचरा हटाया गया है और उसे वैज्ञानिक निपटान के लिए भेजा गया है. सामान्य दिनों में जुहू बीच पर आमतौर पर हर दिन लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा ही आता है.'

विपक्ष ने उठाए सवाल, बीजेपी ने दिए निर्देश

कचरे के इस ढेर को लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है. बीएमसी में विपक्ष की नेता किशोरी पेडनेकर ने बुधवार को जुहू बीच का दौरा किया. उन्होंने हमला बोलते हुए कहा, 'मैंने सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद जुहू बीच का दौरा किया. बीएमसी आखिर कर क्या रही है? ये नालों का कचरा है जो समुद्र की तरफ बहकर आ रहा है. इसका सीधा मतलब है कि मानसून से पहले सफाई का काम ठीक से नहीं हुआ. हम बीएमसी के खर्चों पर श्वेत पत्र भेजने जा रहे हैं.' दूसरी तरफ, बीजेपी मुंबई अध्यक्ष और विधायक अमित सातम ने भी बीएमसी अधिकारियों के साथ जुहू बीच का जायजा लिया. उन्होंने कहा, 'इस साल हाई टाइड के दौरान समुद्र तट पर भारी मात्रा में कचरा आने के कारण, मैंने बीएमसी अधिकारियों के साथ सफाई व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए जुहू बीच का दौरा किया. हमने सफाई प्रक्रिया को तेज करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों और मशीनों को काम पर लगाया है.' उन्होंने कहा, 'बीएमसी को उन सभी जगहों पर ट्रैश बूम लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं जहां नाले और नदियां समुद्र से मिलती हैं, ताकि कचरा समुद्र में समाने से पहले ही फंस जाए और उसे निकाला जा सके. बीएमसी इस पर युद्ध स्तर पर काम कर रही है, और हम पूरी तत्परता के साथ स्थिति से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का डबल अटैक: आज गर्मी-उमस का येलो अलर्ट, 18-19 जुलाई को तेज बारिश के आसार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का लगातार बदलता मिजाज लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। एक ओर मानसून सक्रिय होने के बावजूद अपेक्षित बारिश नहीं हो रही, वहीं दूसरी ओर तेज धूप, उमस और गर्म हवाओं ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 16 जुलाई को दोपहर के समय तेज गर्मी और उमस को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली में 17 जुलाई को कैसा रहेगा मौसम

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार 17 जुलाई को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आकाश आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। मौसम विभाग ने विशेष रूप से दोपहर के समय 'हॉट एंड ह्यूमिड' यानी अत्यधिक गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी जारी की है। 17 जुलाई को भी मौसम में कोई खास राहत मिलने के संकेत नहीं हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा तथा हालांकि इस दिन किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 18 जुलाई से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है।

हर साल 22 जुलाई को मनाई जाएगी दिवंगत अजित पवार की जयंती, सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया सर्कुलर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए राज्य के नेता स्वर्गीय अजितदादा अनंतराव पवार की जयंती को साल 2026 में राष्ट्रवादियों और महान हस्तियों की ऑफिशियल जयंती प्रोग्राम में शामिल किया है। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सीनियर नेता और फूड एंड सिविल सप्लाई मिनिस्टर छगन भुजबल और सीनियर नेता और मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर हसन मुश्रीफ ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से लिखित रिक्वेस्ट की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को ज्ञापन सौंपकर दिवंगत अजितदादा पवार की 22 जुलाई को मनाई जाने वाली जयंती को महाराष्ट्र के शासकीय कार्यालयों में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रपुरुषों एवं महान विभूतियों की जयंती कार्यक्रमों की आधिकारिक सूची में शामिल करने की मांग की। सर्कुलर के अनुसार, अजित पवार की जयंती 22 जुलाई, 2026 (बुधवार) को पूरे राज्य में मनाई जाएगी। इस दिन मंत्रालय के साथ-साथ राज्य भर के सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों में

उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके अलावा, सभी स्कूलों और कॉलेजों में भी यह जयंती मनाई जाएगी। मंडलायुक्तों और जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इन कार्यक्रमों की उचित योजना और कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। अजित पवार ने प्रशासन पर अपनी मजबूत पकड़, बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान और जन-कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के अथक प्रयासों के कारण लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी। उन्हें प्यार से 'दादा' कहा जाता था। सरकार के इस फैसले को महाराष्ट्र की प्रगति में उनके अभूतपूर्व योगदान और उनके निरंतर काम करने के जज़्बे के लिए एक बड़ी श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है। नतीजतन, 'दादा' की जनसेवा की विरासत को अब हर साल 22 जुलाई को आधिकारिक तौर पर सरकारी स्तर पर याद किया जाएगा। पार्टी ही टूट गई है, 21 जुलाई 'शहीद दिवस' को लेकर Dilip Ghosh का ममता बनर्जी पर हमला, देखें वीडियो अजित पवार महाराष्ट्र के एक दमदार ('डैशिंग') नेता थे जिनकी प्रशासन पर मज़बूत पकड़ थी। वे अक्सर आम नागरिकों के हित में अधिकारियों को सबके सामने फटकार लगाते थे। अगर अधिकारी काम में देरी करते, तो अजित पवार उन्हें मौके पर ही जवाबदेह ठहराते थे। उन्होंने आम नागरिकों के कल्याण के लिए स्थानीय स्तर पर भी सीधे काम किया। अजित पवार सीधे जनता तक पहुंचते थे, आम लोगों का हाल-चाल पूछते थे और उनकी समस्याओं का समाधान करते थे। इसी वजह से वे महाराष्ट्र में बेहद लोकप्रिय नेता बन गए थे। आम जनता उन्हें भविष्य के मुख्यमंत्री के तौर पर उम्मीद भरी नजरों से देखती थी। हालांकि, 28 जनवरी 2026 को एक विमान दुर्घटना में उनका निधन हो गया। जनता का मानना है कि इससे महाराष्ट्र को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है।

दिल्ली में BIMSTEC राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक, डोभाल ने कही बड़ी बात

कनेक्टिविटी, कैपेसिटी बिल्डिंग और आर्थिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर नईदिल्ली में बिम्सटेक की पांचवीं बैठक हो रही है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रीजनल सिक्योरिटी और स्थिरता को मजबूत करने की दिशा में भारत लगातार प्रयास कर रहा है. इसी कड़ी में नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल 16 जुलाई को नई दिल्ली में 5वीं बिम्सटेक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक की मेजबानी कर रहे हैं. इस बैठक में बिम्सटेक के सभी सात सदस्य देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल हो रहे हैं. मीटिंग का मुख्य उद्देश्य बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में उभरती साझा सुरक्षा चुनौतियों से मिलकर निपटने की रणनीति तैयार करना है. इस हाई-लेवल शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के टॉप सिक्योरिटी अफसर एक साथ आए हैं. इस मीटिंग को भारत की उस कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसके तहत बिम्सटेक मंच को केवल बातचीत तक सीमित न रखकर परिणाम आधारित सुरक्षा सहयोग के मजबूत ढांचे में बदला जा सके, ताकि जमीनी स्तर परप्रैक्टिकल सहयोग बढ़ाया जा सके.

बिम्सटेक एनएसए बैठक में क्या बोले अजीत डोभाल?

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि 'आज हम ऐसे माहौल में मिल रहे हैं, जहां दुनिया संघर्षों और जियोपॉलिटिकल मुश्किलों का सामना कर रही है. तेजी से हो रहे टेक्निकल विकास के कारण सिक्योरिटी खतरे भी बढ़ गए हैं. वहीं ग्लोबल सप्लाई चेन में आई दिक्कतों की वजह से हमारे सभी देशों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. '

आपसी सहयोग के लिए उठाने होंगे निर्णायक कदम

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सभी देशों के लिए आपसी सहयोग बढ़ाना, साझा हितों के लिए निर्णायक कदम उठाना और चर्चा व विचार-विमर्श के जरिए साझा समस्याओं का समाधान खोजना बेहद जरूरी है. उन्होंने बताया कि बिम्सटेक दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण और डाइनामिक रीजन में से एक है. इसके सदस्य देशों में 1.7 अरब से अधिक लोग रहते हैं, जो दुनिया की करीब 22 प्रतिशत आबादी है, जबकि इन देशों की जीडीपी लगभग 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है.डोभाल ने कहा कि बंगाल की खाड़ी हमें केवल ज्योग्राफिकल रूप से ही नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही साझा सिविलाइजेशन और कल्चरल विरासत से भी जोड़ती है. इसी मजबूत आधार पर बिम्सटेक ने कई क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाया है.

मुंबई लोकल में सीट के लिए हिंसक झड़प, लोहे की रॉड से हमला 2 की हालत गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। चलती अंबरनाथ लोकल ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया, दो गुटों के बीच हुई इस हिंसक मारपीट में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है. गंभीर रूप से घायल दोनों लोगों को बेहतर इलाज के लिए सायन अस्पताल रेफर किया गया है. इस घटना से आधी रात ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. जानकारी के अनुसार, अंबरनाथ जाने वाली लोकल ट्रेन के लगेज डिब्बे में सीट पर बैठने को लेकर पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई. आरोप है कि इस दौरान एक पक्ष ने लोहे की रॉड, लोहे के कड़े से हमला कर दिया. इस हमले में राजू वाघे (19), साहिल खंदारे (19) और प्रितेश कनोजिया (31) घायल हो गए. सभी घायलों को पहले रुक्मिणीबाई अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दो की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आगे के उपचार के लिए सायन अस्पताल रेफर कर दिया

गया.

आरोपियों की तलाश जारी

घटना के बाद कल्याण रेलवे पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, पुलिस इस मामले में संबंधित आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है और हमले में शामिल आरोपियों की तलाश जारी है. चलती लोकल ट्रेन में हुई इस हिंसक घटना ने एक बार फिर मुंबई लोकल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. यात्रियों में इस घटना के बाद भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है.

प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रहीं महिलाओं ने मांगी इच्छामृत्यु

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा शहर में पांच महिलाएं, जो प्रसव के बाद किडनी फेलियर से जूझ रही हैं, उन्होंने अब डायलिसिस कराने से इनकार कर दिया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से या तो किडनी ट्रांसप्लांट की व्यवस्था करने या इच्छामृत्यु की अनुमति देने का अनुरोध किया है। इन महिलाओं ने अपने परिजनों के साथ मिलकर जिला अधिकारियों को किडनी ट्रांसप्लांट सुनिश्चित करने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद यह गंभीर कदम उठाया गया है। परिजनों का कहना है कि वे अपनी पत्नियों को इस तरह तड़पते हुए और नहीं देख सकते और अगर लिखित आश्वासन नहीं मिला तो वे उन्हें डायलिसिस के लिए लाना बंद कर देंगे। उनके अनुसार, ये महिलाएं चलती-फिरती लाशों की तरह जी रही हैं। मई की शुरुआत में बच्चे के जन्म के बाद से ही धन्नी सुमन, रागिनी मीणा, सुशीला महावर, पिंकी एयरवाल और आरती चौबदार नाम की इन महिलाओं की सेहत लगातार बिगड़ती गई है। वे 70 से अधिक दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं और इस दौरान उन्हें 32 बार डायलिसिस से गुजरना पड़ा है। सुमन के पति मोहन लाल ने बताया कि उनकी पत्नी को अब डायलिसिस शब्द से ही डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के एक घंटे के भीतर ही उन्हें उल्टी होने लगती है, वे बुरी तरह कांपने लगती हैं और तेज बुखार आ जाता है। इसी तरह, रागिनी ने भी डायलिसिस को बेहद दर्दनाक बताया और शिकायत की कि लंबे समय तक चले इलाज के बावजूद उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है। पिंकी और आरती तो डायलिसिस से मना कर अस्पताल से बाहर भी चली गईं, अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए। रागिनी के पति लोकेश मीना ने यह भी दावा किया कि वार्ड स्टाफ उन पर रोज डिस्चार्ज लेने का दबाव डाल रहा है। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एनएमसीएच) के अधिकारियों ने हालांकि इन आरोपों को खारिज किया है। एनएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ. नीलेश जैन ने बताया कि सभी पांचों महिलाओं का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें 20 दिन पहले ही डिस्चार्ज करने की मंजूरी मिल गई थी और वे डायलिसिस सेशन के लिए अस्पताल आ सकती हैं। डॉ. जैन ने यह चेतावनी भी दी कि डायलिसिस से इनकार करना जानलेवा हो सकता है।

विद्युत संकट गंभीर समस्या, सांसद सैलजा ने सीएम को पत्र लिख की समाधान की मांग

सिरसा (एजेंसी)। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कालांवाली शहर और आसपास के इलाकों में लगातार बनी हुई विद्युत संकट की समस्या को गंभीर जनहित का विषय बताते हुए हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है। पत्र में कुमारी सैलजा ने कहा है कि चोरमार से कालांवाली आने वाली मुख्य विद्युत लाइन में बार-बार तकनीकी खराबियां आने से इलाके में बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। इससे आम नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्य संस्थानों, लघु उद्योगों तथा अन्य जरुरी सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में यह समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैलजा ने सीएम सैनी से आग्रह किया है कि संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश देकर मुख्य विद्युत लाइन का तकनीकी परीक्षण, आवश्यक उन्नयन, क्षमता वृद्धि, मरम्मत और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, ताकि कालांवाली एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बार-बार होने वाली बिजली कटौती से स्थायी राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े इस विषय का शीघ्र समाधान किया जाना जरुरी है।

संजय राउत ने सीएम फडणवीस से रामरक्षा कार्यक्रम में आने का किया आग्रह

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 19 जुलाई को नागपुर में आयोजित हो रहे रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने उन्हें एक पत्र भी लिखा है और पोस्ट करते हुए कहा कि सीएम फडणवीस, रामरक्षा कार्यक्रम में शामिल होने जरूर आइए। हम सभी आपके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य ने पत्र में मुख्यमंत्री फडणवीस को प्रखर राष्ट्रभक्त और कट्टर हिंदुत्ववादी बताकर लिखा कि उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से यह कहा है कि वे भी अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। राउत ने कहा कि करोड़ों रामभक्तों की तरह फडणवीस की भी यह इच्छा थी कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बने और अब वह सपना साकार हो चुका है। पत्र में राउत ने आरोप लगाया कि कुछ लोग राम मंदिर को लेकर झूठा और भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। इसतरह के प्रचार से करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस ध्यान में रखते हुए शिवसेना (यूबीटी) की ओर से रामरक्षा अभियान शुरू किया गया है। संजय राउत ने मुख्यमंत्री फडणवीस से आग्रह किया है कि वे 19 जुलाई, को शाम 4-30 बजे नागपुर के रामनगर स्थित राम मंदिर में आयोजित रामरक्षा कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हों और वहां उपस्थित रामभक्तों का मार्गदर्शन करें। राउत के इस निमंत्रण को महाराष्ट्र की राजनीति में भी अहम माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने राजनीतिक मतभेदों से अलग हटकर मुख्यमंत्री फडणवीस को खुले तौर पर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री फडणवीस निमंत्रण को स्वीकार करते हैं या नहीं।

दिल्ली में रफ्तार का कहर : डंपर ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को बुद्ध विहार-कंझावला रोड पर तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने एक महिला को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त रोहिणी निवासी प्रियंका के रूप में हुई है। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस को शव निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। शव को सड़क से हटाने के बाद यातायात को सामान्य कराया गया। पुलिस ने हादसे में शामिल डंपर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह दर्दनाक हादसा दिल्ली में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और हिट-एंड-रन मामलों की गंभीर स्थिति को दिखाता है। एक दिन पहले ही सिंघु बॉर्डर के पास ड्यूटी पर तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत हुई थी।

ममता से 30 साल पुरानी दोस्ती तोड़ कर किया आर-पार का ऐलान

राजनीति के 'गांधारी' और 'हिटलर' पर मदन मित्रा का तीखा वार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। तीन दशकों तक ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे कामारहाटी के विधायक मदन मित्रा ने अब पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने ममता बनर्जी के साथ अपनी राजनीतिक दोस्ती को दरकिनार कर 'आर-पार' की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। मदन मित्रा का यह बागी तेवर राज्य की सियासत में नई बहस छेड़ चुका है।मदन मित्रा ने अपनी नाराजगी की मुख्य वजह पार्टी के भीतर का 'दमघोंटू' माहौल बताया है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ समय से पार्टी में उनका दम घुट रहा था और काम करने के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं थीं। ममता बनर्जी के आसपास का दायरा सिमटने की बात करते हुए उन्होंने बिना नाम लिए ममता को 'गांधारी' या 'धृतराष्ट्र' जैसी संज्ञा दी। मदन मित्रा का तंज साफ था कि नेतृत्व सब कुछ देखते हुए भी आंखें मूंदे बैठा है।

उन्होंने अभिषेक बनर्जी पर सीधा और सबसे तीखा हमला करते हुए उनकी तुलना 'हिटलर' से कर डाली। मदन मित्रा का आरोप है कि पार्टी में अब सिर्फ एक व्यक्ति की चलती है और जो उनके फैसलों पर सवाल उठाता है, उसकी मुश्किलें बढ़ जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे इस व्यवस्था से तंग आकर ही कालीघाट कैंप से दूरी बनाने पर मजबूर हुए हैं। हाल ही में चर्चा रही कि उन्होंने ममता बनर्जी से माफी मांगी है। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए मदन मित्रा ने कहा कि उन्होंने व्हाट्सएप के जरिए ममता को माफी का संदेश जरूर भेजा था क्योंकि वे आज भी उनका व्यक्तिगत सम्मान करते हैं। लेकिन उन्होंने साफ किया कि माफी मांगने का मतलब यह कतई नहीं है कि उनकी राजनीतिक परेशानियां खत्म हो गई हैं या वे पार्टी के तानाशाही रवैये से सहमत हैं। मदन मित्रा ने 21 जुलाई के कार्यक्रम और उसमें शामिल होने वाली भीड़ पर भी कटाक्ष किया। हाईकोर्ट के आदेश और भीड़ के दावों पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य की राजनीति का चेहरा बदलने का समय आ गया है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी अजेय नहीं है और यदि विपक्षी ताकतें एकजुट हो जाएं, तो आने वाले एक साल के भीतर पश्चिम बंगाल की राजनीति की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी। उनके इस बगावती तेवर ने सत्ताधारी दल के अंदरूनी कलह को सार्वजनिक कर दिया है।

जगन्नाथ रथ यात्रा : शंकराचार्य निश्चलानंद से धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेताओं ने की मुलाकात

पुरी (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरीपीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज से मुलाकात की। प्रधान ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- पावन रथ यात्रा के शुभ अवसर पर श्री गोवर्धनमठ पुरी पीठ के पूज्यपाद जगद्गुरु शंकराचार्य के श्रीचरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उनका स्नेह और आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा देता है। सनातन परंपरा एवं श्री जगन्नाथ संस्कृति के इस महान आध्यात्मिक केंद्र में उपस्थित होकर मन श्रद्धा, शांति और आनंद से अभिभूत है।

इससे पहले सीएम मोहन चरण माझी ने जगद्गुरु शंकराचार्य से मुलाकात की थी। उन्होंने आगे लिखा कि श्री गोवर्धन मठ में मुझे परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज की दिव्य उपस्थिति और उनके अमृतमयी आशीर्वाद को प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने लिखा कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, मानवीय मूल्यों की स्थापना और सामाजिक समरसता की रक्षा के लिए, परम पूज्य शंकराचार्य जी का अमूल्य जीवन-दर्शन और मार्गदर्शन सदैव एक प्रकाश-पुंज का कार्य करता है। जगद्गुरु की इस पावन उपस्थिति और मार्गदर्शन ने मुझे राज्य की जनता की निरंतर सेवा के लिए नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से भर दिया है। पुरी से बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने भी शंकराचार्य से मुकालात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा- आज श्री जगन्नाथ धाम, पुरी में मुझे गोवर्धन मठ के परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वतीजी महाराज के दर्शन और पवित्र आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

पीएम मोदी आज आएंगे चंडीगढ़, ट्रैफिक पुलिस ने किया प्रमुख मार्गों को डायवर्ट

-लोगों को सलाह वैकल्पिक रास्तों का करें इस्तेमाल, साइकिल ट्रैक, फुटपाथ खड़े ना करें वाहन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ आ रहे हैं। उनके दौरे को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है ताकि लोगों को आने-जाने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो। पुलिस के मुताबिक चंडीगढ़-नयागांव बैरियर से लेकर पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज लाइट प्वाइंट और सेक्टर-2/3/10-11 चौक तक ट्रैफिक प्रभावित रह सकता है, जिसके चलते ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। वहीं लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 3 बजे तक इस रूट का इस्तेमाल करने से बचें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक रास्तों का सहारा लें।

इसके अलावा ट्रैफिक की ताजा जानकारी प्राप्त करने के लिए लोगों से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर बनाए रखने की अपील की गई है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों, अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने वाहन केवल तय पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। साइकिल ट्रैक, फुटपाथ या नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर वाहनों को टो भी किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि पीएम मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने के बाद हेलीकॉप्टर के जरिए राजेंद्र पार्क जाएंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेंगे। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने दो संभावित रूट तय किए हैं। पहले रूट के मुताबिक पीएम का काफिला राजेंद्र पार्क से रवाना होकर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्री आवासों के बीच वाले मार्ग से विज्ञान पथ होते हुए सीधे पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वहीं वैकल्पिक रूट के तहत काफिला राजेंद्र पार्क से निकलकर पंजाब के सीएम हाउस के सामने से गुजरते हुए नयागांव रोड के रास्ते पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज तक जाएगा। सुरक्षा कारणों से दोनों मार्गों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर इनमें से किसी भी रूट का इस्तेमाल किया जा सकता है। एक अन्य वैकल्पिक रूट एयरपोर्ट से तैयार किया गया है, जिसके तहत काफिला एयरोपोर्ट स्थित एयरफोर्स एंट्री से रवाना होकर एयरपोर्ट चौक, ट्रिब्यून चौक, मध्य मार्ग, ट्रांसपोर्ट चौक और पंजाब राज्यभवन वाले रास्ते से विज्ञान पथ के रास्ते होते हुए पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचेगा।

वांगचुक बोले-रिपोर्ट नॉर्मल है, इतनी जल्दी हार मानने वाला नहीं

संसद कूच की हुंकार : 19वें दिन भी डटे सोनम वांगचुक

नई दिल्ली(एजेंसी)। लद्दाख की संवैधानिक सुरक्षा और अन्य अधिकारों की मांग को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन का आज 19वां दिन है। बिगड़ती सेहत के बीच वांगचुक ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश की जनता से आगामी 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल होने की एक बेहद भावुक और बड़ी अपील की है।

लगातार बढ़ते दबाव के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए सोनम वांगचुक ने कहा कि उन्हें देशभर से हजारों आम नागरिकों, समाज के बड़े-बुजुर्गों और विभिन्न राजनीतिक नेताओं के संदेश मिल रहे हैं कि वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें। कुछ शुभचिंतकों ने तो कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है ताकि सरकार उन्हें जबरन खाना खिला सके। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे आज खाना खा लेते हैं तो इससे सरकार को यही संदेश जाएगा कि जनता के प्रति जवाबदेही की कोई ज़रूरत नहीं है; लोग बैठते हैं और खुद ही उठकर चले जाते हैं। अपनी शारीरिक स्थिति पर चिंतित समर्थकों को ढाढस बंधाते हुए उन्होंने बताया कि 18 दिनों के अनशन के बावजूद उनके मेडिकल टेस्ट के रिज़ल्ट्स काफी नॉर्मल हैं। शरीर में कमजोरी जरूर बढ़ रही है और मांसपेशियां (मसल्स) खत्म हो रही हैं, लेकिन उनका दिल अभी भी ठीक से काम कर रहा है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि वे अभी इतने कमजोर नहीं हुए हैं कि दो-चार दिन में हिम्मत हार जाएं, और वे इस अनशन को कई दिनों तक आगे खींच सकते हैं।

वांगचुक ने देश की जनता से आग्रह किया कि वे सिर्फ उनसे अनशन तोड़ने के लिए न कहें, बल्कि खुद भी लद्दाख के इस हक की लड़ाई में एक छोटा कदम उठाएं। आगामी 20 जुलाई से देश की संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने जा रहा है, जिसे देखते हुए जंतर-मंतर पर पहले से ही परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के विरोध में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर चलो संसद अभियान के तहत एक शांतिपूर्ण मार्च निकालने की तैयारी चल रही है। वांगचुक ने इस प्रदर्शन के साथ एकजुटता जताते हुए जनता से अपील की कि 20 जुलाई को सभी लोग इतनी बड़ी संख्या में यहाँ आएं कि सरकार तक एक अटूट संदेश पहुंचे। उन्होंने कहा कि जब हम हज़ारों की संख्या में मिलकर लद्दाख के इस पूरे मुद्दे को देश की संसद के हवाले कर देंगे, तब उन्हें भरोसा हो जाएगा कि यह लड़ाई अब सही हाथों में चली गई है।

लाल किला एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ समारोह की भव्य तैयारियों और सुरक्षा इंतजामों के मद्देनजर लाल किला परिसर को एक महीने के लिए आम जनता और सैलानियों के लिए बंद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को देखते हुए यह आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि लाल किला 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक स्वतंत्रता दिवस समारोह समाप्त होने तक आम जनता और पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पहले हर साल इस तरह का आदेश जारी किया जाता है।

सीता के पति... पर विवादित टिप्पणी मामले में फंसे कुणाल कामरा

जंतर-मंतर पर की टिप्पणी पर भड़के लोग

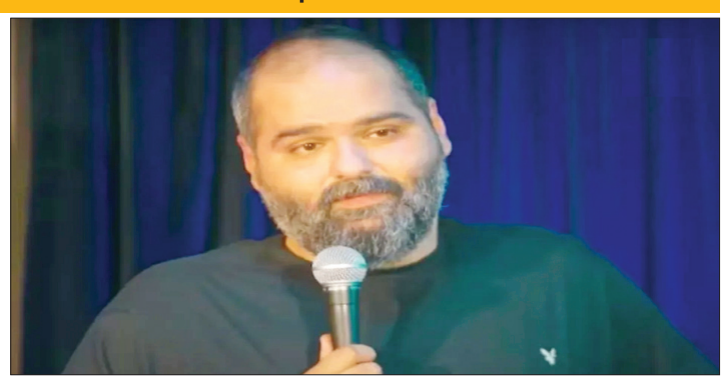

नई दिल्ली (एजेंसी)। हास्य कलाकार कुणाल कामरा ने जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के मंच से भगवान राम को लेकर एक बेहद विवादास्पद टिप्पणी कर दी, जिसके बाद उन्हें देश भर के लोगों की तीव्र आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में कामरा यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, ये जो सरकार है और ये जो कर रही है, बहुत सालों से कर रही है। हमने देखा है कि ये लोग बस सीता के पति का नाम ले लेके नीता के पति का काम कर रहे हैं। कामरा का यह बयान स्पष्ट रूप से नीता अंबानी के पति मुकेश अंबानी की ओर इशारा कर रहा था। विपक्षी नेता और मोदी सरकार के आलोचक अक्सर सरकार पर अंबानी जैसे उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते रहे हैं। कामरा ने भी इसी तरह की आलोचना की, लेकिन भगवान राम का नाम लेने की बजाय जिस तरीके से उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से मजाक किया और इस पर लोग हंसते हुए ताली बजाने लगे, उसको लेकर विशेष आपत्ति जाहिर की जा रही है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बीजेपी वाले सीता के पति का नाम लेके काम करते हैं। यह आज सीजेपी के मंच से कुणाल कामरा ने बोला। सीजेपी के मंच से लगातार भगवान श्री राम का अपमान हो रहा है। कुछ दिन पहले जय श्री राम के नारे को लेकर भी आपत्तिजनक बातें हुई थीं। एक अन्य यूजर ने दिल्ली पुलिस से कामरा और दीपके के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए लिखा, आज अभिजीत दीपके ने कुणाल कामरा को सीजेपी प्रदर्शन पर बुलाया। जैसे ही उन्हें स्टेज मिला, कामरा ने अपना भाषण शुरू किया और हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाते हुए बोला - सीता का पति। इस अश्लील मजाक पर अभिजीत दीपके ताली बजाते और हंसते नजर आए। करोड़ों हिंदू मां सीता की पूजा करते हैं। क्या ये लोग इस्लाम या ईसाई धर्म के पवित्र व्यक्तियों का भी ऐसे ही मजाक उड़ाने की हिम्मत करेंगे? यह घटना एक बार फिर धार्मिक भावनाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच की नाजुक रेखा पर बहस को तेज कर दिया है। इस बयान को लेकर कई लोग उन पर निशाना साध रहे हैं और दिल्ली पुलिस से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कामरा की इस टिप्पणी को हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया जा रहा है। उनके साथ मंच पर मौजूद अभिजीत दीपके भी इस टिप्पणी पर तालियां बजाते और हंसते हुए दिखे, जिसके लिए उन्हें भी सार्वजनिक रूप से खूब कोसा जा रहा है।

कम बारिश से कर्नाटक में सूखे की स्थिति, डिप्टी सीएम ने पीएम को लिखा पत्र

-राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एनडीआरएफ के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून में कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बता दें जून महीने में कर्नाटक में 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 फीसदी बारिश की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 फीसदी कम बारिश हुई।

उपमुख्यमंत्री परमेश्वर ने कहा कि आकलन के मुताबिक कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 फीसदी बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से अल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है। पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 फीसदी), मैसूर (55 फीसदी), मडिकेरी (51 फीसदी), चिक्कमगलुरु (48 फीसदी), दावणगेरे (47 फीसदी), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 फीसदी), कलबुर्गी (43 फीसदी), मंगलुरु (43 फीसदी) और बीदर (40 फीसदी) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। परमेश्वर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि कर्नाटक द्वारा सूखे का आधिकारिक ज्ञापन भेजने से पहले मौजूदा सूखा आकलन के नियमों की समीक्षा की जाए।

उन्होंने मांग की कि एफआरयूआईटीएस डेटाबेस को छोटे और सीमांत किसानों की पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती। उन्होंने सूखा मैनुअल-2020 के प्रावधानों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानकों के अनुरूप बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत दिशानिर्देशों के तहत 33 फीसदी से ज्यादा फसल नुकसान होने पर सहायता दी जाती है, जबकि सूखा मैनुअल में 50 फीसदी फसल नुकसान होने पर ही गंभीर सूखे की श्रेणी में माना जाता है।

इसके अलावा उन्होंने केंद्र से सूखे का आकलन करने में ज्यादा लचीलापन अपनाने, वैज्ञानिक आधार पर कम अवधि के सूखे को भी मान्यता देने और सूखे की जल्द घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। डिप्टी सीएम परमेश्वर ने केंद्र सरकार से अपील की कि मौजूदा हालात को राष्ट्रीय महत्व की आपदा घोषित करने या उसी स्तर की सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाए।

नौवीं में तीसरी भाषा बच्चों पर बढ़ाती है दबाव: सुप्रीम कोर्ट की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी कर कहा है कि नौवीं कक्षा में तीसरी भाषा को अनिवार्य नहीं करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने बच्चों पर बढ़ते शैक्षिक दबाव और तनाव को देखकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। यह टिप्पणी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तीन भाषा नीति के खिलाफ चल रहे विवाद के बीच आई है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एक अलग मामले की सुनवाई के दौरान कही।

सुप्रीम कोर्ट जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई थी, इसमें तमिलनाडु सरकार को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवीएस) स्थापित करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, जब नवोदय विद्यालय की ओर से पेश वकील ने तीसरी भाषा के नौवीं कक्षा से अनिवार्य होने का जिक्र किया, तब जस्टिस नागरत्ना ने इस पर अपनी कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, यह बहुत गलत बात है। सीबीएसई में नौवीं कक्षा अपने आप में ही तनावपूर्ण होती है। आप नौवीं क्लास में तीसरी भाषा क्यों लाते हैं? आप इस छठी क्लास में ही शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पांचवीं या छठी कक्षा में तीसरी भाषा शुरू कर देनी चाहिए और नौवीं कक्षा तक इसकी पढ़ाई खत्म होना चाहिए। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों को याद कर बताया कि कैसे उनके समय में भी पढ़ाई का दबाव था, खासकर जब आईसीएसई और एसएसएलसी जैसे अलग-अलग पाठ्यक्रम साथ चलते थे। उन्होंने कहा, जब हमारे समय में ऐसी तैयारी थी, तब आज क्या स्थिति होगी? बच्चों पर कितना दबाव होता है, यह देखिए। उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि नौवीं क्लास में कोई नई भाषा न रखी जाए, क्योंकि आठवीं क्लास के आखिर से ही छात्रों पर पढ़ाई का दबाव शुरू होता है।

सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर भी बात की और स्पष्ट किया कि एनईपी में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा नहीं कहा गया है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, राज्य की भाषा सिखानी होगी। अंग्रेजी सिखानी होगी। और कोई तीसरी भाषा भी। जरूरी नहीं कि वह हिंदी ही हो। वह संस्कृत हो सकती है। कोई भी तीसरी भाषा। संस्कृत क्यों नहीं? आपको हिंदी नहीं चाहिए, तब क्या संस्कृत भी नहीं चाहिए?

संक्षिप्त समाचार

ईयू माइग्रेशन कानून पर विवाद : स्वीडिश सांसद ने डेनिश सांसद के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

स्टॉकहोम, एजेंसी। यूरोपीय संसद में हाल ही में पारित सख्त माइग्रेशन कानून को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। स्वीडन की सांसद आबिर अल-सहलानी ने डेनमार्क के सांसद क्रिस्टोफर स्टॉर्म के खिलाफ कथित नस्लीय टिप्पणी को लेकर स्वीडिश पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस मामले की शिकायत यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेट्सोला से भी की है। यह विवाद पिछले महीने यूरोपीय संसद द्वारा पारित रिटर्न रेगुलेशन के बाद शुरू हुआ। नए कानून के तहत यूरोपीय संघ के सदस्य देशों को अवैध प्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया तेज करने के लिए यूरोपीय संघ के बाहर 'रिटर्न हब' स्थापित करने की अनुमति दी गई है। कानून पारित होने के बाद संसद में 'उन्हें वापस भेजो' जैसे नारे लगे। इराकी मूल की स्वीडिश सांसद आबिर अल-सहलानी ने इन नारों की आलोचना करते हुए कहा कि यह कट्टर दक्षिणपंथी राजनीति का चिंताजनक उदाहरण है और इस घटना के बाद उन्होंने संसद में खुद को असुरक्षित महसूस किया। इसके जवाब में डेनिश सांसद क्रिस्टोफर स्टॉर्म ने सोशल मीडिया पर 'गो होम' टिप्पणी की। अल-सहलानी ने इसे नस्लीय घृणा फैलाने वाली टिप्पणी बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

चीन में भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई : पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई पार्टी से निष्कासित

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई को कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मा पर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और रिश्तेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप लगे हैं। मा शिंगरुई को अप्रैल में 'कानून और पार्टी अनुशासन के गंभीर उल्लंघन' के आरोप में जांच के दायरे में लिया गया था। जांच में पाया गया कि उन्होंने अधिकारियों की नियुक्ति और पदोन्नति में दूसरों को अनुचित लाभ पहुंचाया, अपने प्रभाव का दुरुपयोग किया तथा रिश्तेदारों को बाजार मूल्य से कम कीमत पर संपत्ति खरीदने में मदद की। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, मा ने महंगे उपहार स्वीकार किए और अपने परिवार के सदस्यों को सरकारी प्रभाव का इस्तेमाल कर बड़े आर्थिक लाभ दिलाए। जांच एजेंसियों ने इसे बड़े पैमाने पर 'पारिवारिक भ्रष्टाचार' (फैमिली करप्शन) बताया है। मा शिंगरुई पहले चीन के एयरोस्पेस उद्योग में वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं और उन्होंने देश के कई महत्वपूर्ण अंतरिक्ष कार्यक्रमों की जिम्मेदारी संभाली थी।

पोलैंड की नेता ने 'हिटलर' जेलेंस्की की तस्वीर कूड़ेदान में फेंकी

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड की राजनेता और क्राकोव की मेयर पद की उम्मीदवार मरिआना श्राइबर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की तस्वीर कूड़ेदान में फेंक दी। उन्होंने यूक्रेन पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश नागरिकों के नरसंहार से जुड़े विवादित राष्ट्रवादी संगठनों और नेताओं का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। वीडियो में श्राइबर ने जेलेंस्की की एक तस्वीर दिखाई, जिस पर हिटलर जैसी मूंछ बनाई गई थी। इसके बाद उन्होंने तस्वीर को मोड़कर कूड़ेदान में फेंकते हुए कहा कि 'अपराधियों का महिमामंडन करने वालों की जगह इतिहास के कूड़ेदान में है।' साथ ही आरोप लगाया कि यूक्रेन ने अब तक पोलिश नागरिकों के नरसंहार के लिए औपचारिक माफी नहीं मांगी है। श्राइबर ने यह टिप्पणी 11 जुलाई 1943 की 'ब्लडी संडे' घटना की बरसी पर की। उस दिन यूक्रेनी विद्रोही सेना ने वोल्हीनिया क्षेत्र के पोलिश गांवों पर एक साथ हमले किए थे।

'शेख हसीना लौटें, कानून का सामना करें' : बांग्लादेश सरकार बोली– वापसी का स्वागत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संभावित देश वापसी का स्वागत करते हुए कहा है कि उन्हें अदालत का सामना करना होगा। सरकार का कहना है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और अदालत का फैसला कानून के अनुसार लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री के सूचना एवं रणनीति सलाहकार जाहेद उर रहमान ने मंगलवार को मीडिया से कहा कि सरकार चाहती है कि शेख हसीना देश लौटें ताकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो सके। 78 वर्षीय शेख हसीना अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के दौरान सत्ता से बेदखल होने के बाद भारत आ गई थीं और तब से यहीं रह रही हैं। नवंबर 2024 में ढाका के विशेष न्यायाधिकरण ने छात्र आंदोलन पर कथित दमन और 'मानवता के खिलाफ अपराध' के मामले में उन्हें अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी।

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे, 8 महीने के मिशन पर गए हैं आईएसएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आठ महीने के अपने पहले अंतरिक्ष मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गए हैं। वे रूस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से उड़ान भरने के बाद सुरक्षित रूप से आईएसएस पहुंचे, जहां वे वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संबंधी प्रयोगों में हिस्सा लेंगे। कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपण के बाद करीब तीन घंटे और दो ऑर्बिट की यात्रा पूरी कर सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान दोपहर 1:52 बजे (ईडीटी) आईएसएस के प्रिचल मॉड्यूल से जुड़ा। मेनन के साथ रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी ऑर्बिटल प्रयोगशाला पहुंचे। इससे पहले तीनों अंतरिक्ष यात्री सुबह 10:47 बजे (ईडीटी) यानी स्थानीय समयानुसार शाम 7:47 बजे बैकोनूर से रवाना हुए थे। उनके आईएसएस पहुंचने के बाद अगले लगभग दो सप्ताह के लिए स्टेशन पर क्रू सदस्यों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

लॉन्च से पहले, मेनन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था, 'यूनाइटेड स्टेट्स स्पेस फोर्स की सेवा करने और नासा तथा हमारे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के समर्थन में आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरने पर गर्व है! उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा, 'कजाकिस्तान से सोयुज एमएस-29 पर लॉन्च होने और नासा तथा एक्सपेडिशन 74/75 के समर्थन में आठ महीने के मिशन की

शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूं। नासा कम्युनिटी, दोस्तों, परिवार और प्रियजनों का आभारी हूं और कल के लिए उत्साहित हू। नासा के एस्ट्रोनॉट जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स; यूरोपियन स्पेस एजेंसी की एस्ट्रोनॉट सोफी एडेनोट; और रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट सर्गेई कुड-स्वेरचकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रे फेड्याएव ने नए लोगों का स्वागत किया। इस मिशन को लेकर नासा की ओर से कहा गया कि मेनन, डुब्रोव और किकिना अप्रैल 2027 तक ऑर्बिटल लेबोरेटरी में रहेंगे। यह मेनन की अंतरिक्ष की पहली यात्रा है और डुब्रोव तथा किकिना दोनों के लिए यह दूसरा मिशन है। मिशन के दौरान मेनन वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन से जुड़े कई प्रयोग करेंगे, जिनका उद्देश्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाना है। वे अंतरिक्ष में सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के उत्पादन को बेहतर बनाने संबंधी शोध करेंगे, जिससे हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम और बेहतर मेडिकल डिवाइस के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का बड़े पैमाने पर निर्माण किया जा सकती है। मेनन ऑगमेंटेड रियलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तरीकों का इस्तेमाल करके अल्ट्रासाउंड भी करेंगे, जिससे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों में पृथ्वी से मेडिकल सपोर्ट की जरूरत खत्म हो सकती है। नासा ने कहा कि मेनन उन स्टडीज में टेस्ट सब्जेक्ट के तौर पर भी काम करेंगे जिनमें यह देखा जाएगा कि अंतरिक्ष में ब्लड फ्लो कैसे बदलता है। साथ ही, वे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने और इलाज के नए तरीकों को विकसित करने के लिए माइक्रोग्रैविटी में बायोप्रिंटिंग वैस्कुलर कंस्ट्रक्ट्स का टेस्ट भी करेंगे।

नासा ने बताया कि ऑर्बिटल आउटपोस्ट पर अपना आठ महीने का साइंस मिशन पूरा करने के बाद विलियम्स, कुड-स्वेरचकोव और मिकाएव के जाने के बाद, 26 जुलाई को 'एक्सपीडिशन 75' शुरू होगा। 25 जुलाई को कमांड सौंपने का समारोह होगा, जिसमें स्टेशन की कमांड कुड-स्वेरचकोव से जेसिका मीर को सौंपी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से लगातार मानव उपस्थिति बनी हुई है। माइक्रोग्रैविटी के कारण यह वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक अनूठी प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है, जहां ऐसे कई प्रयोग संभव हैं जिन्हें पृथ्वी पर करना कठिन या असंभव है। यहां होने वाले अनुसंधान से चिकित्सा, इंजीनियरिंग, जीवविज्ञान और पदार्थ विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रगति होती है तथा चंद्रमा और मंगल पर भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी में भी मदद मिलती है।

पुल, पावर प्लांट सब तबाह कर देंगे, डोनाल्ड ट्रंप की खुली चेतावनी, फिर मच सकता है हाहाकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ सीजफायर अब पूरी तरह टूट चुका है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर समझौता तोड़ने के आरोप लगाए हैं और भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। इस बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान जल्द से जल्द बातचीत की मेज पर नहीं लौटता, तो अगले हफ्ते से अमेरिकी सेना ईरान के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह तबाह कर देगी। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरानियों के पास डील करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

ट्रंप ने ईरान संग तनाव बढ़ने के बाद फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'अगला हफ्ता उनके लिए बहुत बुरा होने वाला है क्योंकि अगले हफ्ते पावर प्लांट्स का नंबर आएगा। अगले हफ्ते पुलों की बारी आएगी। हम उनके सभी पावर प्लांट्स और सभी पुलों को उड़ा देंगे, जब तक कि वे समझौता नहीं कर लेते।' वहीं जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि अमेरिकी सेना का यह अभियान कब तक जारी रहेगा, तो उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा, 'ये हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक मैं यह न कह दूं कि अब बहुत हो गया।' ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के पास समझौता करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

तैनात किए 20 से ज्यादा युद्धपोत तैनात : ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना लगातार चौथे दिन ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले कर रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि ईरान के सभी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में नाकेबंदी को दोबारा पूरी तरह लागू कर दिया गया है। अमेरिकी सेना ने 20 से अधिक युद्धपोत और सैकड़ों लड़ाकू विमान भी तैनात कर दिए हैं। इस बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया है। अमेरिका के ऐक्शन पर ईरान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के उप-विदेश मंत्री काज़ेम गरीबाबादी ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका ने इस्लामाबाद समझौता तोड़ दिया है। गरीबाबादी ने कहा, 'अमेरिका ने फिर से नाकेबंदी लागू करके और शर्तों से पीछे हटकर इस्लामाबाद समझौते को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।' ईरान का साफ कहना है कि अमेरिका की इस आर्थिक और सैन्य नाकेबंदी के दबाव में वे किसी भी तरह की बातचीत की मेज पर वापस नहीं लौटेंगे। ऐसे में वैश्विक तेल और ऊर्जा बाजार पर एक बार फिर भारी संकट मंडराने लगा है। बता दें ईरान और अमेरिका के बीच बीते 28 फरवरी को भीषण जंग शुरू हो गई थी जिसमें हजारों लोग मारे गए। करीब 4 महीनों तक मची तबाही के बाद 17 जून को एक युद्धविराम समझौते पर सहमति बनी थी। इस समझौते के तहत 60 दिनों के लिए हमलों को रोकने पर सहमति बनी। वहीं परमाणु कार्यक्रम सहित अन्य मुद्दों पर आगे की बातचीत शुरू की जानी थी। हालांकि अब बातचीत रद्द कर दी गई है।

ट्रंप का बड़ा बयान : रूस पर नए प्रतिबंधों में ईरान और हिज्बुल्लाह को भी किया जा सकता है शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम की ओर से समर्थित उस कानून में रूस पर लगाए जाने वाले कड़े प्रतिबंधों को बढ़ाकर ईरान और हिज्?बुल्लाह को भी शामिल किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत और चीन जैसे देशों से जुड़े प्रस्तावों पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। व्हाइट हाउस में इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के साथ बैठक के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस कानून पर हस्ताक्षर करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि सांसद इस प्रतिबंध पैकेज का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कदम ग्राहम के सम्मान में उठाया जा सकता है, क्योंकि वह रूस के खिलाफ कड़े कदमों के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे।

ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता है कि लिंडसे इसे बहुत चाहते थे।' उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि वे इसमें ईरान को भी जोड़ सकते हैं। वे ईरान को जोड़ेंगे, जो एक बहुत बड़ा कदम होगा। वे हिज्बुल्लाह को भी इसमें शामिल कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इस प्रस्ताव पर अभी बातचीत चल रही है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने के लिए काफी समर्थन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस पर विचार कर रहे हैं, लेन वे इसे गंभीरता से आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। यह लिंडसे के सम्मान में है, और यह उनका सबसे बड़ा मुद्दा था। वह इसे सी भी दूसरी चीज से ज्यादा चाहते थे। उन्होंने कहा, 'इस बात की अच्छी संभावना है यह हो जाएगा। जब उनसे पूछा गया क्या इस कानून में भारत और चीन जैसे देशों पर लगाए जाने वाले द्वितीयक प्रतिबंध भी शामिल होंगे, तो ट्रंप ने कहा अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, 'अगर यह चीन, भारत और दूसरे देशों पर द्वितीयक प्रतिबंधों की बात है, तो हमें देखना होगा। इस पर अभी चर्चा नहीं हुई है।' यह बयान ट्रंप और इराकी प्रधानमंत्री के बीच इराक, ईरान और मध्य-पूर्व के मुद्दों पर हुई लंबी बातचीत के दौरान आया। ट्रंप ने एक बार फिर कहा क्षेत्र में ईरान का प्रभाव काफी कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है मध्य-पूर्व अब एक साथ आ रहा है।' ट्रंप ने कहा, 'हम मध्य-पूर्व के दबंग को हटा रहे हैं। ईरान मध्य-पूर्व का दबंग था। उसने इराक और हर दूसरे देश को डराया-धमकाया।' उन्होंने आगे कहा अब कोई डर नहीं है।

थाइलैंड में भारतीयों के लिए बिना वीजा के एंट्री जारी, लेकिन एक शर्त; पूरा मामला क्या

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड में भारतीय पासपोर्ट धारकों को बिना वीजा एंट्री मिलती रहेगी। हालांकि इसमें एक बदलाव भी किया गया है। बिना वीजा के भारतीय थाइलैंड में अधिकतम 30 दिन तक ही रुक पाएंगे। यह वजह, थाई सरकार ने एक खास वजह से लिया है। असल में भारतीयों के वीजा-फ्री एंट्री पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव के बाद से भारतीय पर्यटकों की संख्या में काफी ज्यादा गिरावट आई थी। बता दें कि थाइलैंड के लिए भारत एक बड़ा मार्केट है। बड़ी संख्या में भारतीय थाइलैंड घूमने के लिए जाते हैं।

इसलिए लिया गया फैसला : थाइलैंड कैबिनेट ने मंगलवार को अपनी साप्ताहिक बैठक में भारतीय यात्रियों के लिए 30 दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दे दी। पर्यटन मंत्री सुरसक पंचरोएनवोराकुल ने कहाकि इस कदम का उद्देश्य भारतीय पर्यटकों के लिए चीजों को आसान करना है।

इससे देश के पर्यटन उद्योग को भी सपोर्ट मिलेगा। उन्होंने कहाकि इसलिए कैबिनेट ने भारतीय पर्यटकों के लिहाज से 30 दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दी। यह थाइलैंड के लिए एक बड़ा बाजार हैं। साथ ही पर्यटन मंत्री ने यह भी कहाकि अगर भविष्य में इस कदम से कोई समस्या आती है, तो सरकार इसकी समीक्षा कर सकती है।

पहले क्या था प्रावधान : भारतीय यात्रियों को फिलहाल बिना वीजा के थाइलैंड में 60 दिनों तक रहने की अनुमति है। लेकिन मई में थाई कैबिनेट द्वारा वीजा-मुक्त देशों की सूची को 93 से घटाकर 54 करने और 30 दिन की अवधि तय करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद यह पॉलिसी खत्म होने वाली थी। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हुआ है। पर्यटन मंत्री के अनुसार, इस घोषणा ने भारतीय यात्रियों के बीच भ्रम पैदा कर दिया और यहां से थाइलैंड आने वालों की संख्या काफी कम हो गई। भारत इस साल चीन और मलेशिया के बाद थाईलैंड के लिए तीसरा सबसे बड़ा टूरिस्ट सोर्स है।

कुछ अन्य देशों को भी छूट : भारत के साथ-साथ, थाइलैंड ने क्रोएशिया, बुल्गारिया, साइप्रस, माल्टा और मालदीव के यात्रियों के लिए भी 30-दिन की वीजा-फ्री एंट्री को मंजूरी दी है। यह जानकारी डिप्टी सरकारी प्रवक्ता प्लॉयटाले लक्समीसांगचन ने दी। इस नए फैसले के बाद 30-दिन की वीजा-फ्री एंट्री के लिए योग्य देशों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इसमें सभी 27 यूरोपीय संघ के सदस्य देश भी शामिल हैं।

क्यों बदल रहे वीजा पॉलिसी : वीजा नीति में बदलाव ऐसे समय में आ रहे हैं जब प्रधानमंत्री अनुतिन चर्णविराकुल की सरकार उन विदेशी देशों पर कड़ी निगरानी रखना चाहती है जिन पर थाइलैंड के वीजा-फ्री सिस्टम का गलत तरीके से इस्तेमाल करके गैरकानूनी गतिविधियां करने का आरोप है।

चुनाव से पहले सुलगा पीओके: मुजफ्फराबाद कूच से पहले पुलिस की गोली से नौ मरे, खूनी झड़प के बाद राजधानी की घेराबंदी

मुजफ्फराबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान सरकार के खिलाफ चल रहा आंदोलन, जन आक्रोश में बदल गया है। ज्वॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बुधवार को प्रस्तावित मुजफ्फराबाद मार्च से पहले पूंछ डिवीजन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस एवं पाकिस्तान रेंजर्स की रातभर हुई हिंसक झड़पों में नौ लोगों की मौत हो गई।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ा : इस हिंसा में पाकिस्तान रेंजर्स के दो जवानों की भी मौत हुई है। घटना को लेकर प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के दावे अलग-अलग हैं, लेकिन पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। हजारों प्रदर्शनकारी आज रावलकोट, मीरपुर, कोटली, बाग और अन्य जिलों से मुजफ्फराबाद की ओर कूच करेंगे, जबकि पाकिस्तान प्रशासन ने राजधानी मुजफ्फराबाद में अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा तैनात कर दिया है। पीओके के गृह सचिव चौधरी गुफ्तार हुसैन के हवाले से पाकिस्तानी अखबार डॉन ने खबर दी है कि प्रशासन किसी दबाव में नहीं आएगा और जेएएसी के आंदोलन को निर्ममता से कुचल दिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार सुधनोती जिले के बलोच इलाके में सुरक्षाबलों के काफिले पर पहले प्रदर्शनकारियों ने फायरिंग की, जिसमें रेंजर्स के एक जवान की मौत हुई। वहीं जेएएसी समर्थकों का आरोप है कि गोलीबारी की शुरुआत सुरक्षाबलों ने की। सुरक्षा काफिला कोटली सरसावा से बलोच की ओर बढ़ रहा था, तभी सारन और बलोच गांवों के पास ग्रामीणों ने उसका रास्ता रोक दिया और इसके बाद हिंसक टकराव शुरू हो गया। मार्च से पहले पूरे क्षेत्र में आंदोलन तेज हो गया है। आठ जिलों में बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। रावलकोट के बाहरी इलाके में हजारों समर्थक कई दिनों से डेरा डाले हुए हैं। पूरा घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा है जब 27 जुलाई को पीओके की 45 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान होना है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले भड़का यह आंदोलन पाकिस्तान सरकार के लिए हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आंतरिक चुनौती बन गया है।

12 आरक्षित सीटों को लेकर भड़के लोग : जेएएसी की सबसे प्रमुख मांग विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की है। संगठन का आरोप है कि इन सीटों के जरिये पाकिस्तान की मुख्यधारा की पार्टियां उन लोगों के वोट से मुजफ्फराबाद में सरकार बनवाती हैं जो पीओके में रहते ही नहीं हैं। जून में पीओके के सुप्रीम कोर्ट ने इन सीटों को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त बताते हुए कहा था कि इन्हें केवल विधायी संशोधन के जरिये ही बदला जा सकता है। अदालत के इस फैसले के बाद आंदोलन और भड़क गया।

यूएन में भारत की दो-टूक: 80 साल पुरानी व्यवस्था बदलने की उठाई मांग, कहा- सुरक्षा परिषद में अब सुधार जरूरी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। भारत ने मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में व्यापक सुधारों के लिए अपनी मांग दोहराई। इसके साथ ही बहुपक्षवाद को भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार, महासभा को पुनर्जीवित करने और आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) की भूमिका को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

राजदूत हरीश परवथानेनी ने क्या कहा : भविष्य के लिए समझौते की समीक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा की अनौपचारिक बैठक के दौरान बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाना' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश परवथानेनी ने कहा, 'भारत के लिए, बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाने की शुरुआत यह सुनिश्चित करने से होती है कि वैश्विक संस्थाएं समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने आगे कहा कि यह सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, महासभा के पुनरुद्धार और आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय तीनों आयामों में सतत विकास को आगे बढ़ाने में ईसीओएसओसी की मजबूत भूमिका की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।'

संघर्षों को लेकर क्या कहा : उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के बारे में जनता की धारणा हाल के दिनों में प्रतिकूल रूप से बदल गई है, जिसका मुख्य कारण विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों में सुरक्षा परिषद की सार्थक हस्तक्षेप करने में असमर्थता है। सुरक्षा परिषद प्रभावित आबादी के बीच मानवीय पीड़ा को समाप्त करने में अप्रभावी रही है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का मूल सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना सवालों के घेरे में आ गया है।'

परिषद की कमियां का क्या कारण : उन्होंने तर्क दिया कि परिषद की कमियां इसकी पुरानी संरचना के कारण हैं। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा परिषद की कमियों का मूल कारण स्पष्ट है। 1940 के दशक के लिए बनाई गई अस्सी साल पुरानी संरचना समकालीन चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ है। एक संगठन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार लाने में कोई खास प्रगति नहीं कर पाया है। अब तक की चर्चाएं आईएनजी ढांचे के तहत तैयार बयानों के अंतहीन चक्र तक ही सीमित रही हैं। कार्रवाई बिंदु 39 से 41 काफी हद तक कागजों पर ही रह गए हैं। यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है और इसमें बदलाव होना चाहिए। भविष्य के समझौते का जिक्र करते हुए भारतीय राजदूत ने कहा कि अंतर-सरकारी वार्ताओं (आईजीएन) के कार्य बिंदुओं का मसौदा समझौते के सह-सुविधाकर्ताओं के बजाय तत्कालीन आईजीएन सह-अध्यक्षों द्वारा तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को उन प्रावधानों पर महत्वपूर्ण आपत्तियां हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत रचनात्मक भावना से समझौते का समर्थन करता है।

ईरान के आईआरजीसी ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने 'ऑपरेशन नस्र 2' के तीसरे चरण के दौरान बहरीन और कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर हमले किए. ये अटैक तेहरान पर हालिया अमेरिकी हमलों का बदला था. आईआरजीसी के एक बयान और ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, इस ऑपरेशन में बहरीन और कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए. आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नेवी और एयरोस्पेस फोर्सेज ने बहरीन में शेख ईसा एयर बेस पर कई हथियार और इक्विपमेंट स्टोरेज शेड, साथ ही अमेरिकी जहाजों और एयरक्राफ्ट के पार्ट्स को निशाना बनाया. इसमें आगे कहा गया कि ऑपरेशन ने कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस पर एमक्यू-9 ड्रोन की तैनाती के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रैंप पर हमला किया, जिससे कई ड्रोन नष्ट हो गए. बयान में कहा गया, 'ऑपरेशन नस्र 2 की तीसरी लहर में आईआरजीसी नेवी और एयरोस्पेस फोर्सेज के बहादुर योद्धाओं ने कुछ घंटे पहले बहरीन में शेख ईसा बेस पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन ऑपरेशन के दौरान दुश्मन के जहाजों और एयरक्राफ्ट के लिए कई हथियार और पार्ट्स स्टोरेज शेड को नष्ट कर दिया.' इसमें आगे कहा गया, 'उन्होंने कुवैत में अली सलेम बेस पर दुश्मन के एमक्यू-9 ड्रोन की तैनाती के रैंप पर भी हमला किया, जिससे कई ड्रोन नष्ट हो गए या उन्हें नुकसान पहुंचा.' बयान के मुताबिक ये हमले आईआरजीसी के बताए अनुसार दिन में पहले ईरान के कई तटीय मिलिट्री ठिकानों पर अमेरिकी मिलिट्री हमलों के जवाब में किए गए थे. बयान में कहा गया, 'जब तक अमेरिका के जुर्म जारी रहेंगे, हमलावरों पर जवाबी कार्रवाई और सजा जारी रहेगी, और अगर ये हमले दोबारा हुए, तो उन्हें हैरान करने वाले जवाब

मिलेंगे.' आईआरजीसी ने यह भी चेतावनी दी कि इस इलाके में अमेरिकी मिलिट्री कार्रवाई जारी रहने से एनर्जी एक्सपोर्ट पर असर पड़ेगा, यह दावा करते हुए कि 'जब तक इस इलाके में अमेरिका की बुराइयां मौजूद हैं, तब तक इस इलाके से तेल या गैस की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी. साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने में सिर्फ देरी होगी.' दिन में पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि अमेरिकी सेना ने 13 जुलाई को रात 10:15 बजे ईस्टर्न टाइम पर ईरानी मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर पर कोऑर्डिनेटेड हमलों की एक और सीरीज पूरी कर ली है. मिलिट्री कमांड के मुताबिक पांच घंटे के ऑपरेशन में बुशहर, चाह बहार, जस्क, कोनारक, अबू मूसा और बंदर अब्बास में ईरान के दक्षिणी तट पर मौजूद खास ठिकानों को निशाना बनाया गया. सेंटकॉम ने कहा कि ईरानी कोस्टल डिफेंस सिस्टम, मिसाइल लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर, ड्रोन पोजीशन और नौसैनिक क्षमताओं को बेअसर करने के लिए प्रिसिजन-गाइडेड हथियार तैनात किए गए थे. अमेरिकी मिशन का बताया गया मकसद होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल शिपिंग लेन को खतरे में डालने की तेहरान की क्षमता को सिस्टमैटिक तरीके से कम करना है. ये दुनिया के सबसे जरूरी समुद्री ट्रेड कॉरिडोर में से एक है. अमेरिकी मिलिट्री ने बताया कि मिडिल ईस्ट में 50,000 से ज़्यादा अमेरिकी सर्विस मेंबर अभी भी तैनात हैं. इससे इस बात पर जोर दिया गया कि सेना लड़ाई के लिए तैयार है. हाल की बातचीत से पता चलता है कि पश्चिम एशिया में लड़ाई बहुत ज़्यादा बढ़ गई है, जो ईरान के अंदर टारगेटेड अमेरिकी हमलों से बढ़कर खाड़ी के पार मौजूद अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर सीधे जवाबी हमलों तक पहुँच गई है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.